प्रश्न–पत्र पुस्तिका

QUESTION PAPER BOOKLET

पुस्तिका में पृष्ठों की संख्या : 64

Number of Pages in Booklet : 64

पुस्तिका में प्रश्नों की संख्या : 150

Number of Questions in Booklet :150

समय / Time : 3 घंटे / 3 Hours

INSTRUCTIONS

1. Answer all questions.
2. Each question carry one mark.
3. Only one answer is to be given for each question.
4. Answers are to be marked on the OMR Answer Sheet, provided separately.
5. Each question has four options, marked serially as 1,2,3,4 out of which only one is correct. Candidate has to darken only one circle or bubble by right method indicating the correct answer on the Answer Sheet using only **BLACK/ BLUE INK BALL POINT PEN**.
6. There is no Negative Marking.
7. Mobile Phone or any other electronic gadget in the examination hall is strictly prohibited. A candidate found with any of such objectionable material with him/her will be strictly dealt as per rules.
8. Please fill your Roll Number and Series printed on Question Paper Booklet on O.M.R. Answer Sheet, carefully and correctly.
9. Answer to the question by darkening multiple circles/spreading of ink or darkening the circle by wrong method shall not be evaluated.
10. Answer to the question by using whitener or eraser or using any other method to erase the darkened circle, shall not be evaluated.
11. Use only blue/black ink ball point pen in OMR answer sheet. In case of use of pencil or ball point pen of any other ink, answer sheet shall not be evaluated.

Warning : Candidate using unfair means in the exam will be disqualified & action as per law shall be taken.

A बुकलेट सीरीज़

पूर्णांक / Maximum Marks : 150

निर्देश

1. सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
2. प्रत्येक प्रश्न का एक अंक है।
3. प्रत्येक प्रश्न का केवल एक ही उत्तर दीजिए।
4. प्रश्नों के उत्तर पृथक से दिये गये ओ.एम.आर. उत्तर–पत्रक पर अंकित करें।
5. प्रत्येक प्रश्न के साथ चार विकल्प दिये गये हैं, जिन्हें क्रमशः 1,2,3,4 अंकित किया गया है, जिनमें से एक सही है। अभ्यर्थी को सही उत्तर निर्दिष्ट करते हुए उनमें से केवल एक गोले अथवा बबल को **काली / नीली स्याही के बॉल प्वॉइंट पेन** का प्रयोग करते हुए सही तरीके से गहरा करना है।
6. कोई नकारात्मक अंकन नहीं है।
7. परीक्षा हॉल में मोबाईल फोन अथवा इलेक्ट्रॉनिक यंत्र पूर्णतः वर्जित है। किसी अभ्यर्थी के पास ऐसी वर्जित सामग्री पाये जाने पर उसके विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्यवाही की जावेगी।
8. कृपया अपना रोल नम्बर एवं प्रश्न–पत्र पुस्तिका पर अंकित सीरीज़ ओ.एम.आर. उत्तर–पत्रक पर सावधानी पूर्वक एवं सही भरें।
9. एक से अधिक गोले भरने / स्याही फैलाने या गलत तरीके से गोला भरने पर उस उत्तर का मूल्यांकन नहीं किया जायेगा।
10. भरे गये गोले को व्हाइटनर या रबड़ या किसी अन्य तरीके से मिटाने पर उस उत्तर का मूल्यांकन नहीं किया जायेगा।
11. ओ.एम.आर. उत्तर–पत्रक में केवल नीली / काली स्याही के बॉल प्वॉइंट पेन का प्रयोग करें। पेंसिल या अन्य किसी स्याही के बॉल प्वॉइंट पेन का प्रयोग करने पर उत्तर–पत्रक का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।

चेतावनी : परीक्षा में अनुचित साधनों का प्रयोग करने पर अभ्यर्थी को अयोग्य घोषित कर दिया जायेगा एवं विधि अनुसार कार्यवाही की जायेगी।

1. If the Magistrate not empowered by law to do, erroneously in good faith does that thing, then, which among the following is an irregularity, wherein, proceedings shall not be set aside merely on the ground of his not being so empowered?

(1) To tender a pardon under section 306 of the Code of Criminal Procedure, 1973

(2) To hold an inquest under section 176 of the Code of Criminal Procedure, 1973

(3) Tries an offender summarily

(4) To order, under section 155 of the Code of Criminal Procedure, 1973, the police to investigate an offence

यदि कोई मजिस्ट्रेट विधि द्वारा सशक्त नहीं होते हुए भी गलती से सद्भावनापूर्वक उस बात को करता है, तो निम्नलिखित में से कौनसी ऐसी अनियमितता है, जिसमें केवल इस आधार पर कि वह ऐसे सशक्त नहीं था, कार्यवाही को अपास्त नहीं किया जाएगा?

(1) दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 की धारा 306 के अंतर्गत क्षमादान प्रदान करना

(2) दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 की धारा 176 के अधीन मृत्यु–समीक्षा करना

(3) किसी अपराधी का संक्षेपतः विचारण करना

(4) किसी अपराध का अन्वेषण करने के लिए दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 की धारा 155 के अधीन पुलिस को आदेश देना

2. Ramsingh is sentenced by the court for one year rigorous imprisonment and it is also ordered to keep him in solitary confinement for a period of one month. In this situation, in executing the sentence of solitary confinement -

(1) such confinement shall in no case exceed fourteen days at a time, with intervals between the periods of solitary confinements of not less duration than such periods.

(2) such confinement shall in no case exceed fourteen days in every two months, with intervals between the periods of solitary confinements of not less duration than such periods.

(3) the solitary confinement shall not exceed seven days in every two months of the whole imprisonment awarded, with intervals between the periods of solitary confinements of not less duration than such periods.

(4) the solitary confinement shall not exceed seven days in any one month of the whole imprisonment awarded, with intervals between the periods of solitary confinements of not less duration than such periods.

रामसिंह को न्यायालय द्वारा दोषसिद्ध करते हुए एक वर्ष के कठिन कारावास से दण्डित किया जाता है तथा यह भी आदेश दिया जाता है कि उसे एक माह की अवधि के लिए एकान्त परिरोध में रखा जावे। ऐसी परिस्थिति में, एकांत परिरोध के दण्डादेश के निष्पादन में –

(1) ऐसा परिरोध किसी दशा में भी एक बार में चौदह दिन से अधिक न होगा, साथ ही साथ ऐसे एकांत परिरोध की कालावधियों के बीच में उन कालावधियों से अन्यून अंतराल होंगे।

(2) ऐसा परिरोध किसी दशा में भी प्रत्येक दो मास में चौदह दिन से अधिक न होगा, साथ ही साथ ऐसे एकांत परिरोध की कालावधियों के बीच में उन कालावधियों से अन्यून अंतराल होंगे।

(3) संपूर्ण कारावास के प्रत्येक दो मास में एकांत परिरोध सात दिन से अधिक न होगा, साथ ही एकांत परिरोध की कालावधियों के बीच में उन्हीं कालावधियों से अन्यून अंतराल होंगे।

(4) संपूर्ण कारावास के किसी एक मास में एकांत परिरोध सात दिन से अधिक न होगा, साथ ही एकांत परिरोध की कालावधियों के बीच में उन्हीं कालावधियों से अन्यून अंतराल होंगे।

3. "In the process of legitimate arrest of a person by any police officer, if such person forcibly resists the endeavor to arrest him or attempts to evade the arrest, such police officer may use all means necessary to effect the arrest."
For the accusation of which of the following offences, such provision gives a right to cause even death-

(1) 302 Indian Penal Code
(2) 376C Indian Penal Code
(3) 398 Indian Penal Code
(4) All of the above

"किसी पुलिस अधिकारी द्वारा किसी व्यक्ति को वैध रूप से गिरफ्तार करने के प्रक्रम में यदि वह व्यक्ति अपने गिरफ्तार किए जाने के प्रयास का बलात प्रतिरोध करता है या गिरफ्तारी से बचने का प्रयास करता है, तो पुलिस अधिकारी गिरफ्तारी करने के लिए आवश्यक सब साधनों को उपयोग में ला सकता है।"
निम्न में से किस अपराध के अभियोग में उक्त प्रावधान मृत्यु तक कारित करने का अधिकार देता है–

(1) 302 भारतीय दण्ड संहिता
(2) 376ग भारतीय दण्ड संहिता
(3) 398 भारतीय दण्ड संहिता
(4) उपरोक्त सभी

4. A report made by a police officer in a case which discloses, after investigation, the commission of a non-cognizable offence shall -

(1) be deemed to be charge-sheet; and the person who lodged the First Information Report shall be deemed to be the complainant.
(2) be deemed to be a complaint; and the police officer by whom such report is made shall be deemed to be the complainant.
(3) not be deemed to be a complaint, however, Assistant Public Prosecutor shall represent the complainant.
(4) be deemed to be a complaint; and the Assistant Public Prosecutor shall be deemed to be the complainant.

एक मामले में, जिसमें अन्वेषण के पश्चात् किसी असंज्ञेय अपराध का किया जाना प्रकट होने पर पुलिस अधिकारी द्वारा की गई रिपोर्ट –

(1) आरोप–पत्र समझी जाएगी और प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कराने वाला व्यक्ति परिवादी समझा जाएगा।

(2) परिवाद समझी जाएगी और वह पुलिस अधिकारी जिसके द्वारा ऐसी रिपोर्ट की गई है, परिवादी समझा जाएगा।

(3) परिवाद नहीं समझी जाएगी, हालांकि सहायक लोक अभियोजक परिवादी का प्रतिनिधित्व करेगा।

(4) परिवाद समझी जाएगी और सहायक लोक अभियोजक परिवादी समझा जाएगा।

5. When does the "Stolen Property" cease to be the stolen property?

(1) If, it is recovered by the police from the possession of the receiver of stolen property.

(2) If, it comes into the possession of a person legally entitled to the possession thereof.

(3) If, the receiver of stolen property sells it to some other person.

(4) If, it deteriorates up to the extent so as to make its market value to be zero.

कब "चुराई हुई संपत्ति" चुराई हुई सम्पत्ति नहीं रह जाती है?

(1) यदि, यह चुराई हुई सम्पत्ति के प्राप्तकर्ता के कब्जे से पुलिस द्वारा बरामद कर ली जाए।

(2) यदि, यह ऐसे व्यक्ति के कब्जे में पहुंच जाती है, जो उसके कब्जे के लिए वैध रूप से हकदार है।

(3) यदि, चुराई हुई सम्पत्ति का प्राप्तकर्ता इसे किसी अन्य व्यक्ति को बेच देता है।

(4) यदि, यह इस हद तक खराब हो जाए कि इसका बाजार मूल्य शून्य हो जाए।

6. Bilal Khan is co-accused in a murder case, who has been granted tender of pardon under section 306 of the Code of Criminal Procedure, 1973. During trial he gives evidence against the prosecution & Public Prosecutor certifies that Bilal Khan, by giving false evidence, has not complied with the condition on which the tender was made. In these circumstances -

(1) Bilal Khan shall be tried jointly with other accused, for the offence of murder but the witnesses already examined shall be called again for evidence.

(2) Bilal Khan shall not be tried jointly with other accused, for the offence of murder, rather, he shall be tried separately for the offence of murder.

(3) If the trial has been completed or is about to complete, then Bilal Khan shall be tried separately for the offence of murder and if the trial is at the preliminary stage, then he shall be tried jointly with other accused, for the offence of murder

(4) It is the matter of discretion of the court, as to whether Bilal Khan shall be tried jointly with other accused or separately, for the offence of murder.

बिलाल खान हत्या के मामले में सह–अभियुक्त है जिसे दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 की धारा 306 के अंतर्गत क्षमा–दान दिया जाता है। विचारण के दौरान वह अभियोजन के विपरीत साक्ष्य देता है तथा लोक अभियोजक यह प्रमाणित करता है कि बिलाल खान ने मिथ्या साक्ष्य देकर उस शर्त की पालना नहीं की है जिस पर उसे क्षमा–दान दिया गया था। ऐसी परिस्थितियों में –

(1) बिलाल खान का अन्य अभियुक्तगण के साथ हत्या के अपराध के लिए विचारण किया जाएगा परन्तु जिन गवाहान की साक्ष्य लेखबद्ध हो चुकी है, उन्हें पुनः साक्ष्य हेतु तलब किया जाएगा।

(2) बिलाल खान का विचारण अन्य अभियुक्तगण के साथ हत्या के अपराध के लिए संयुक्ततः नहीं किया जाएगा बल्कि हत्या के अपराध के लिए उसका पृथक से विचारण किया जाएगा।

(3) यदि उस मामले में विचारण पूर्ण हो चुका है या पूर्ण होने को है, तो बिलाल खान का हत्या के अपराध के लिए विचारण पृथक से किया जाएगा एवं यदि विचारण प्रारम्भिक स्टेज पर है, तो हत्या के अपराध के लिए उसका विचारण अन्य अभियुक्तगण के साथ संयुक्ततः किया जाएगा।

(4) बिलाल खान का हत्या के अपराध के लिए विचारण अन्य अभियुक्तगण के साथ संयुक्ततः किया जाना है या पृथक से किया जाना है, यह न्यायालय के विवेक का विषय है।

7. Information is given during the course of hearing of a matter in a court that the person wanted in that matter, against whom a non-bailable warrant has been issued, is sitting outside a nearby court. No police officer is present in the court room at that time. While providing a non-bailable warrant, the presiding officer orders a private person present in the court that such person be arrested and produced before the court immediately. Which of the following statement is correct regarding validity of such order?

(1) Order of the court is proper.

(2) If no police officer is present in the court room, then, police officer is to be searched in the court complex and warrant is to be entrusted to such police officer and in the event of non-availablity of a police officer in the court complex, such warrant can be given to a private person.

(3) Station officer of the police station having jurisdiction of that matter, is to be ordered to send a suitable police officer to the court and warrant is to be entrusted to such police officer.

(4) Such warrant cannot be entrusted to private person without his consent, however, if such private person gives his consent in writing, then warrant can be entrusted to him.

किसी न्यायालय में किसी मामले की सुनवाई के दौरान यह सूचना दी जाती है कि उस मामले में वांछित व्यक्ति, जिसके विरुद्ध पूर्व से गिरफ्तारी वारण्ट जारी है, पास ही के न्यायालय के बाहर बैठा हुआ है। न्यायालय कक्ष में उस समय कोई भी पुलिस अधिकारी मौजूद नहीं है। पीठासीन अधिकारी न्यायालय में मौजुद एक प्राईवेट व्यक्ति को एक गिरफ्तारी वारण्ट देते हुए आदेश देता है कि उक्त व्यक्ति को अविलम्ब गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया जाए।

उक्त आदेश की विधिमान्यता के सम्बन्ध में निम्नलिखित में से कौनसा कथन सही है?

(1) न्यायालय का आदेश उचित है।

(2) यदि न्यायालय कक्ष में कोई पुलिस अधिकारी नहीं है, तो पहले न्यायालय परिसर में किसी पुलिस अधिकारी को तलाश किया जाना चाहिए तथा उसे ऐसा वारण्ट न्यस्त किया जाना चाहिए तथा न्यायालय परिसर में कोई पुलिस अधिकारी नहीं होने की सूरत में ही प्राईवेट व्यक्ति को वारण्ट दिया जा सकता है।

(3) उस मामले के क्षेत्राधिकार के थाने के भारसाधक अधिकारी को अविलम्ब किसी सुयोग्य पुलिस अधिकारी को न्यायालय भेजने के लिए आदेशित किया जाना चाहिए एवं ऐसे पुलिस अधिकारी को वारण्ट न्यस्त किया जाना चाहिए।

(4) प्राईवेट व्यक्ति की मर्जी के बिना ऐसा वारण्ट उसे न्यस्त नहीं किया जा सकता है, हालांकि यदि ऐसा प्राईवेट व्यक्ति लिखित में अपनी सहमति प्रकट करता है, तो उसे ऐसा वारण्ट न्यस्त किया जा सकता है।

8. Kamlesh asked to his attorney that "I have destroyed my mobile and want to implicate Mandeep by concocting a false case of the theft of that mobile. Please prepare a complaint of theft of my mobile by Mandeep."

Which of the following statement is correct, with reference to Section 126 of Indian Evidence Act, 1872?

(1) Above conversation is protected from disclosure.

(2) Above conversation is not protected from disclosure.

(3) Oral conversation is not protected from disclosure, although if such statement is in writing, then it is protected.

(4) Above conversation is protected from disclosure or not, it depends upon the fact that such complaint is prepared by the attorney or not. If complaint is prepared then it is protected from disclosure otherwise not.

कमलेश अपने वकील से कहता है कि "मैने अपना मोबाईल नष्ट कर दिया है तथा उस मोबाईल की चोरी का झूठा केस बनाकर मनदीप को चोरी के केस में फसाना चाहता हूं। कृपया मेरे मोबाईल को मनदीप द्वारा चुराने का परिवाद तैयार कर दो।"

भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872 की धारा 126 के संदर्भ में निम्न में से कौनसा कथन सत्य है?

(1) उक्त वार्ता प्रकटन से संरक्षित है।

(2) उक्त वार्ता प्रकटन से संरक्षित नहीं है।

(3) मौखिक वार्ता प्रकटन से संरक्षित नहीं है, हालांकि यदि ऐसा कथन लिखित में है, तो यह संरक्षित है।

(4) उक्त वार्ता प्रकटन से संरक्षित है या नहीं, यह इस बात पर निर्भर करेगा कि अधिवक्ता द्वारा ऐसा परिवाद तैयार किया गया है या नहीं। यदि परिवाद तैयार किया गया है, तो यह प्रकटन से संरक्षित है, अन्यथा नहीं।

9. As per the provisions of the Indian Evidence Act, 1872, the "Court" includes -

(1) all Judges and Magistrates and all persons, except arbitrators, legally authorized to take evidence.

(2) all Judges and Magistrates, and all persons, legally authorised to take evidence.

(3) all the Supreme Court Judges, High Court Judges, District Judges, Senior Civil Judges & Civil Judges and all persons legally authorised to take evidence.

(4) all Judges and Magistrates and all persons, legally authorised to take evidence, which includes the arbitrators also.

भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872 के प्रावधानों के अनुसार, "न्यायालय" शब्द के अंतर्गत आते हैं –

(1) सभी न्यायाधीश और मजिस्ट्रेट तथा मध्यस्थों के सिवाय साक्ष्य लेने के लिए वैध रूप से प्राधिकृत सभी व्यक्ति।

(2) सभी न्यायाधीश और मजिस्ट्रेट तथा साक्ष्य लेने के लिए वैध रूप से प्राधिकृत सभी व्यक्ति।

(3) सभी उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश, उच्च न्यायालय के न्यायाधीश, जिला न्यायाधीश, वरिष्ठ सिविल न्यायाधीश एवं सिविल न्यायाधीश और साक्ष्य लेने के लिए वैध रूप से प्राधिकृत सभी व्यक्ति।

(4) सभी न्यायाधीश और मजिस्ट्रेट तथा साक्ष्य लेने के लिए वैध रूप से प्राधिकृत सभी व्यक्ति जिनमें मध्यस्थ भी शामिल हैं।

10. An attested document not required by law to be attested-

(1) Has to be necessarily proved by examining an attesting witness.

(2) May be proved as if it is unattested.

(3) Is inadmissible in evidence.

(4) Can only be proved by examining its executant.

एक अनुप्रमाणिक दस्तावेज, जिसका अनुप्रमाणित होना विधि द्वारा अपेक्षित नहीं है–

(1) को आवश्यक रूप से एक अनुप्रमाणक साक्षी को परीक्षित कराकर साबित किया जा सकता है।

(2) ऐसे साबित की जा सकेगी मानो वह अनुप्रमाणित नहीं हो।

(3) साक्ष्य में अग्राह्य है।

(4) इसके निष्पादक को परीक्षित करके ही साबित किया जा सकता है।

11. A written complaint regarding commission of a cognizable offence is received to the Director General of Police of the State, who, started investigation after entering it in the register being maintained under section 154 of the Code of Criminal Procedure, 1973, in the concerned Police Station.

In these circumstances, which of the following statement is correct?

(1) Procedure is correct because Director General is having powers of the Station House Officer of the Police Station.

(2) Procedure is wrong because Director General is not having powers of the Station House Officer of the Police Station, he has to forward the matter to the Station House Officer of concerned Police Station.

(3) Procedure is not correct but not even wrong but irregular. He can do so being senior police officer even without having the powers of the Station House Officer of the Police Station.

(4) Procedure is correct only if, Director General withdraws the powers of Station House officer of concerned Police Station and gives it to himself, then he is fully empowered to do so.

राज्य के पुलिस महानिदेशक को एक संज्ञेय अपराध के संबन्ध में लिखित परिवाद प्राप्त होता है, जिसे वह संबन्धित थाने में दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 की धारा 154 के अंतर्गत संधारित किए जा रहे रजिस्टर में दर्ज कर अनुसंधान प्रारम्भ कर देता है।

ऐसी परिस्थितियों में, निम्न में से कौनसा कथन सही है?

(1) प्रक्रिया सही है चूंकि पुलिस महानिदेशक को भी थाने के भारसाधक अधिकारी की शक्तियां प्राप्त हैं।

(2) प्रक्रिया गलत है चूंकि पुलिस महानिदेशक को थाने के भारसाधक अधिकारी की शक्तियां प्राप्त नहीं हैं अतः उसे मामला संबन्धित थाने के भारसाधक अधिकारी को प्रेषित करना चाहिए।

(3) प्रक्रिया सही नहीं है परन्तु गलत भी नहीं है अपितु अनियमित है। पुलिस महानिदेशक को थाने के भारसाधक अधिकारी की शक्तियां नहीं होते हुए भी वरिष्ठ पुलिस अधिकारी होने के कारण वह ऐसा कर सकता है।

(4) प्रक्रिया केवल तभी सही है जबकि पुलिस महानिदेशक, सम्बन्धित थाने के भारसाधक अधिकारी से उसकी शक्तियां वापस ले ले तथा स्वयं को दे दे, तब वह ऐसा करने में पूर्णतया सक्षम है।

12. When the person required by any court to execute a bond is a minor, such court, in lieu thereof -

(1) may accept a bond executed by the minor & countersigned by the mother or father of the minor.

(2) may accept a bond executed by the minor & countersigned by the mother and father of the minor.

(3) may accept a bond executed by a surety or sureties only.

(4) may accept a bond executed by the minor & countersigned by the mother or father or guardian of the minor.

यदि बन्धपत्र निष्पादित करने के लिए किसी न्यायालय द्वारा अपेक्षित व्यक्ति अवयस्क है, तो वह न्यायालय उसके बदले में –

(1) अवयस्क द्वारा निष्पादित तथा अवयस्क के माता या पिता द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित बन्धपत्र स्वीकार कर सकता है।

(2) अवयस्क द्वारा निष्पादित तथा अवयस्क के माता एवं पिता द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित बन्धपत्र स्वीकार कर सकता है।

(3) केवल प्रतिभू या प्रतिभूओं द्वारा निष्पादित बन्धपत्र स्वीकार कर सकता है।

(4) अवयस्क द्वारा निष्पादित तथा अवयस्क के माता या पिता या संरक्षक द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित बन्धपत्र स्वीकार कर सकता है।

13. Saurabh sues Bhasker for Rs. 1,000/- and shows entries in his account books showing Bhasker to be indebted to him to this amount. These entries are -

(1) Neither relevant nor sufficient, without other evidence, to prove the debt.

(2) Relevant, but are not sufficient, without other evidence, to prove the debt.

(3) Relevant and also sufficient, without any other evidence, to prove the debt.

(4) The conclusive proof to prove the debt.

सौरभ, भास्कर पर 1000/– रुपयों के लिए वाद लाता है और अपनी लेखा बहियों की वे प्रविष्टियां दर्शित करता है, जिनमें भास्कर को इस रकम के लिए उसका ऋणी दर्शित किया गया है। ये प्रविष्टियां –

(1) न तो सुसंगत हैं, ना ही ऋण साबित करने के लिए अन्य साक्ष्य के बिना पर्याप्त हैं।

(2) सुसंगत हैं, किन्तु ऋण साबित करने के लिए अन्य साक्ष्य बिना पर्याप्त नहीं हैं।

(3) सुसंगत हैं एवं ऋण साबित करने के लिए अन्य साक्ष्य के बिना पर्याप्त भी हैं।

(4) ऋण को साबित करने के लिए निश्चायक सबूत हैं।

14. What shall be the description of imprisonment in default of payment of fine?

(1) Simple imprisonment

(2) Rigorous imprisonment

(3) Same description to which the offender is sentenced for the offence

(4) Any description to which the offender might have been sentenced for the offence

जुर्माना देने में व्यतिक्रम होने पर किस भांति का कारावास दिया जाएगा?

(1) सादा कारावास

(2) कठोर कारावास

(3) उसी भांति का होगा, जिससे अपराधी को उस अपराध के लिए दण्डादिष्ट किया गया है

(4) किसी भांति का हो सकेगा, जिससे अपराधी को उस अपराध के लिए दण्डादिष्ट किया जा सकता था

15. What are the descriptions of imprisonment under the provisions of the Indian Penal Code, 1860?

(1) Death, Imprisonment for life, Rigorous & simple imprisonment, Forfeiture of property and Fine

(2) Death, Imprisonment for life, Rigorous & simple imprisonment and Fine

(3) Rigorous, that is, with hard labour and simple

(4) Imprisonment for life, Rigorous & simple imprisonment and Fine

भारतीय दण्ड संहिता, 1860 प्रावधानों के अंतर्गत कारावास के प्रकार क्या हैं?

(1) मृत्यु, आजीवन कारावास, कठोर एवं सादा कारावास, सम्पत्ति का समपहरण एवं जुर्माना

(2) मृत्यु, आजीवन कारावास, कठोर एवं सादा कारावास एवं जुर्माना

(3) कठोर, जो कि, कठोर श्रम के साथ और सादा

(4) आजीवन कारावास, कठोर एवं सादा कारावास एवं जुर्माना

16. The question is, whether Hariom delivered the milk at House Number 8 at 07.30 am on 10.10.2024. Evidence was produced before the court that he delivered milk at house Numbers 5, 6, 7 and 9 of the same colony at 07.00 am, 07.10 am, 07.20 am & 07.40 am, respectively, the same morning. Whether such deliveries are-

(1) the relevant facts.

(2) not the relevant facts.

(3) the conclusive proof of delivery of milk at House No. 8 at 07.30 am.

(4) None of the above

प्रश्न यह है, क्या हरिराम ने मकान नम्बर 8 पर दिनांक 10.10.2024 को सुबह साढ़े सात बजे दूध वितरण किया। न्यायालय के समक्ष साक्ष्य पेश की गई कि उसने उसी कालोनी में मकान नम्बर 5, 6, 7 एवं 9 पर उसी सुबह क्रमशः 07.00, 07.10, 07.20 एवं 07.40 बजे दूध वितरित किया था। क्या ऐसे वितरण –

(1) सुसंगत तथ्य हैं।

(2) सुसंगत तथ्य नहीं है।

(3) मकान नम्बर 8 पर सुबह 07.30 बजे दूध वितरण करने का निश्चयात्मक सबूत है।

(4) उपरोक्त में से कोई नहीं

17. A person, who has committed the offence of concealing design to commit offence punishable with imprisonment, if the offence is not committed, shall be punished -

(1) With imprisonment of the description provided for the offence for a term which may extent to one-fourth of the longest term of such imprisonment or with such fine as is provided for the offence or with both

(2) With imprisonment of the description provided for the offence for a term which may extent to one-eight of the longest term of such imprisonment or with such fine as is provided for the offence or with both

(3) With imprisonment of the description provided for the offence for a term which may extent to half of the longest term of such imprisonment or with such fine as is provided for the offence or with both

(4) With imprisonment of the description provided for the offence or with such fine as is provided for the offence or with both

एक व्यक्ति, जिसने कारावास से दण्डनीय अपराध करने की परिकल्पना को छिपाने का अपराध कारित किया है, यदि वह अपराध नहीं किया जाता, दण्डित किया जाएगा–

(1) उस अपराध के लिए उपबन्धित भांति के कारावास से, जिसकी अवधि ऐसे कारावास की दीर्घतम अवधि की एक–चौथाई तक की हो सकेगी या ऐसे जुर्माने से, जो उस अपराध के लिए उपबंधित है, या दोनों से

(2) उस अपराध के लिए उपबन्धित भांति के कारावास से, जिसकी अवधि ऐसे कारावास की दीर्घतम अवधि के आठवें भाग तक की हो सकेगी या ऐसे जुर्माने से, जो उस अपराध के लिए उपबंधित है, या दोनों से

(3) उस अपराध के लिए उपबन्धित भांति के कारावास से, जिसकी अवधि ऐसे कारावास की दीर्घतम अवधि के आधे तक की हो सकेगी या ऐसे जुर्माने से, जो उस अपराध के लिए उपबंधित है, या दोनों से

(4) उस अपराध के लिए उपबन्धित भांति के कारावास से या ऐसे जुर्माने से, जो उस अपराध के लिए उपबंधित है, या दोनों से

18. A Magistrate of 1st class convict the offender for the offence punishable under section 498A & 406 Indian Penal Code and sentenced him to undergo imprisonment for 3 years for each offence. There is no order of running both the punishments concurrently.
In these circumstances, which of the following statement is correct?

(1) Both the imprisonments shall run one after one. Because, the Magistrate of 1st class is empowered to pass a sentence of maximum 3 years, therefore, Magistrate has to send the offender for trial to a higher court.

(2) Because the offender is sentenced for 2 offences in a single trial, therefore, both the sentences shall run concurrently even in absence of such an order.

(3) Both the imprisonment shall commence one after one and it is not necessary for the court to send the offender for trial to a higher court.

(4) Order is illegal because the offender is convicted for 2 offences in a single trial, that's why magistrate is duty bound to pass an order for commencement of both the imprisonments concurrently.

एक प्रथम वर्ग न्यायिक मजिस्ट्रेट किसी मामले के विचारण में किसी अपराधी को भारतीय दण्ड संहिता की धारा 498ए व 406 के अंतर्गत दण्डनीय अपराध के लिए दोषसिद्ध करता है तथा प्रत्येक अपराध के लिए 3–3 साल के कारावास से दण्डित करता है। दोनों सजाएं साथ–साथ चलने का आदेश पारित नहीं करता है। ऐसी परिस्थितियों में निम्न में से कौनसा कथन सही है?

(1) दोनों सजाएं एक के बाद एक चलेंगी। चूंकि प्रथम वर्ग मजिस्ट्रेट अधिकतम तीन वर्ष के कारावास का दण्डादेश देने में सक्षम है, अतः मजिस्ट्रेट को अपराधी को उच्चतर न्यायालय के समक्ष विचारण के लिए प्रेषित करना होगा।

(2) चूंकि अपराधी को एक ही विचारण में दो अपराधों के लिए दोषसिद्ध किया गया है अतः ऐसा आदेश नहीं होने पर भी दोनों सजाएं साथ–साथ ही चलेंगी।

(3) दोनों सजाएं एक के बाद एक प्रारम्भ होंगी तथा न्यायालय के लिए यह आवश्यक नहीं है कि अपराधी को उच्चतर न्यायालय के समक्ष विचारण के लिए भेजे।

(4) आदेश अवैध है चूंकि अपराधी को एक ही विचारण में दो अपराधों के लिए दोषसिद्ध किया गया है, इस कारण से मजिस्ट्रेट दोनों सजाएं साथ–साथ चलने का आदेश देने के लिए बाध्य है।

19. Jatin shakes his fist towards Shriyash intending it that he may thereby cause Shriyash to believe that Jatin is about to strike him. Jatin has committed-

(1) the offence of an assault.

(2) the offence of using criminal force.

(3) the offence of using force.

(4) not committed any offence.

जतिन अपना मुक्का श्रीयश की ओर इस आशय से हिलाता है कि श्रीयश को यह विश्वास हो जाए कि जतिन उसे मारने वाला ही है। जतिन ने –

(1) हमला करने का अपराध कारित किया है।

(2) आपराधिक बल का प्रयोग करने का अपराध कारित किया है।

(3) बल का प्रयोग करने का अपराध कारित किया है।

(4) कोई अपराध कारित नहीं किया है।

20. According to section 57 of Indian Evidence Act, 1872, which of the following is not a judicially noticeable fact?

(1) All public Acts passed or hereafter to be passed by Parliament of the United Kingdom, and all local and personal Acts directed by Parliament of the United Kingdom to be judicially noticed

(2) The accession and the sign manual of the Sovereign for the time being of the United Kingdom of Great Britain and Ireland

(3) The course of proceeding of Parliament of the United Kingdom, of the Constituent Assembly of India, of Parliament and of the legislatures established under any laws for the time being in force in a Province or in the States

(4) The territories under the dominion of the Government of India, United Kingdom of Great Britain and Ireland.

भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872 की धारा 57 के अनुसार, निम्न में से कौनसा एक न्यायिक रूप से अवेक्षणीय तथ्य नहीं है?

(1) यूनाइटेड किंगडम की पार्लियामेन्ट द्वारा पारित या एतत्पश्चात् पारित किए जाने वाले समस्त पब्लिक एक्ट तथा वे समस्त स्थानीय और पर्सनल एक्ट जिनके बारे में यूनाइटेड किंगडम की पार्लियामेन्ट ने निर्दिष्ट किया है कि उनकी न्यायिक अवेक्षा की जाये।

(2) ग्रेट ब्रिटेन और आयरलैंड की यूनाइटेड किंगडम के तत्समय प्रभु का राज्यारोहण और राजहस्ताक्षर।

(3) यूनाइटेड किंगडम की पार्लियामेन्ट की, भारत की संविधान सभा की, संसद की तथा किसी प्रान्त या राज्यों में तत्समय प्रवृत्त विधियों के अधीन स्थापित विधान–मण्डलों की कार्यवाही का अनुक्रम।

(4) भारत सरकार, यूनाइटेड किंगडम ऑफ ग्रेट ब्रिटेन एवं आयरलैंड के आधिपत्य के अधीन राज्य–क्षेत्र।

21. Dinesh and Ajit are rivals in pistol shooting competitions and despite being a good shooter, Ajit always loses to Dinesh. While the competition was going on, suddenly, a lion appears and started dragging Dinesh away. To save Dinesh, Ajit takes out his revolver and fires at the lion, but the bullet hits Dinesh instead of the lion and he dies on the spot.
Which of the following statement is correct in the above circumstances?

(1) Ajit has not committed any offence.

(2) Ajit has committed offence of culpable homicide not amounting to murder punishable under section 304 of the Indian Penal Code, 1860.

(3) Ajit has committed offence of culpable homicide amounting to murder punishable under section 302 of the Indian Penal Code, 1860.

(4) Ajit has committed offence of causing death by negligence punishable under section 304A of the Indian Penal Code, 1860.

दिनेश तथा अजीत पिस्टल निशानेबाजी प्रतियोगिताओं में परस्पर प्रतिद्वंद्वी हैं तथा अच्छा निशानेबाज होने के बावजूद अजीत हमेशा ही दिनेश से हार जाता है। जब प्रतियोगिता चल रही थी, तभी अचानक वहां एक शेर आ जाता है तथा दिनेश को घसीटकर ले जाने लगता है। दिनेश को बचाने के लिए, अजीत अपना रिवाल्वर निकालता है तथा शेर पर फायर करता है, परन्तु गोली शेर के बजाय दिनेश को लगती है तथा उसकी मौके पर ही मृत्यु कारित हो जाती है।

उपरोक्त परिस्थितियों में कौनसा कथन सही है?

(1) अजीत ने कोई अपराध कारित नहीं किया।

(2) अजीत ने भारतीय दण्ड संहिता, 1860 की धारा 304 के अंतर्गत दण्डनीय हत्या की श्रेणी में नहीं आने वाला आपराधिक मानव वध का अपराध कारित किया है।

(3) अजीत ने भारतीय दण्ड संहिता, 1860 की धारा 302 के अंतर्गत दण्डनीय हत्या की श्रेणी में आने वाला आपराधिक मानव वध का अपराध कारित किया है।

(4) अजीत ने भारतीय दण्ड संहिता, 1860 की धारा 304ए के अंतर्गत दण्डनीय उपेक्षा द्वारा मृत्यु कारित करने का अपराध कारित किया है।

22. Which of the following match is not correct in context of Indian Evidence Act, 1872?

(1) Section 74 – Public Document

(2) Section 137 – Examination in Chief

(3) Section 122 – Communications during marriage

(4) Section 125 – Official Communication

भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872 के परिप्रेक्ष्य में निम्न में से कौनसा युग्म सही नहीं है?

(1) धारा 74 – लोक दस्तावेज

(2) धारा 137 – मुख्य परीक्षा

(3) धारा 122 – विवाहित स्थिति के दौरान में की गई संसूचनाएं

(4) धारा 125 – शासकीय संसूचनाएं

23. Harish wanted to clean a dense forest. He disclosed his wish to Ramesh to set the forest afire. Ramesh replied that if any person would be in the forest then he may die. On this, Harish said that it is correct that death may be caused but this is the easiest way to clean the forest. Harish set the forest afire, resultantly, a woodcutter Ramu dies. Harish was not intending to cause the death of Ramu and he may even be sorry that death of an innocent person has been caused by his act. Above act of Harish -

(1) Does not come under the category of voluntarily causing death of Ramu because his intention was not to cause death.

(2) Comes under the category of voluntarily causing death of Ramu.

(3) Does not come under the category of voluntarily causing death of Ramu because Ramu himself risked his life, he must have run away from the forest.

(4) Comes under the category of causing death by rash or negligent act but does not come under the category of voluntarily causing death.

हरीश एक घने जंगल को साफ करना चाहता था। उसने रमेश को जंगल में आग लगाने की अपनी इच्छा प्रकट की। रमेश ने उत्तर दिया कि यदि कोई व्यक्ति जंगल में होगा, तो उसकी मृत्यु कारित हो सकती है जिस पर हरीश कहता है कि यह तो सही है कि मृत्यु हो सकती है परन्तु जंगल को साफ करने का सबसे आसान तरीका यही है। हरीश जंगल में आग लगा देता है, परिणामस्वरूप, एक लकड़हारे रामू की मृत्यु कारित हो जाती है। हरीश का आशय रामू की मृत्यु कारित करने का नहीं था तथा वह बहुत दुखी होता है कि उसके कार्य से एक निर्दोष व्यक्ति की मृत्यु कारित हो गई है। हरीश का उक्त कार्य –

(1) रामू की स्वेच्छया मृत्यु कारित करने की श्रेणी में नहीं आता है चूंकि उसका आशय मृत्यु कारित करना नहीं था।

(2) रामू की स्वेच्छया मृत्यु कारित करने की श्रेणी में आता है।

(3) रामू की स्वेच्छया मृत्यु कारित करने की श्रेणी में नहीं आता है चूंकि रामू ने स्वयं अपने जीवन को खतरे में डाला है, उसे जंगल से भाग जाना चाहिए था।

(4) उतावलेपन या लापरवाही पूर्ण कार्य से मृत्यु कारित करने की श्रेणी में आता है परन्तु स्वेच्छया मृत्यु कारित करने की श्रेणी में नहीं आता है।

24. Shreyash is accused of a case of murder. Whether following facts are relevant?

(A) The fact that, soon after the commission of the crime, Shreyash absconded from his house.

(B) The fact that, at the time when he left home, he had sudden and urgent business at the place to which he went.

(1) (B) is relevant but (A) is not relevant

(2) Neither (A) is relevant nor (B)

(3) (A) is relevant but (B) is not relevant

(4) (A) & (B) both are relevant

श्रेयश एक हत्या के मामले का अभियुक्त है। क्या निम्न तथ्य सुसंगत हैं?

(अ) तथ्य कि अपराध के कारित होने के तुरन्त बाद, श्रेयश अपने घर से फरार हो गया।

(ब) तथ्य कि उस समय जब वह घर से चला था, उसका उस स्थान में जहां वह गया था, अचानक एवं आवश्यक कार्य था।

(1) (ब) सुसंगत है परन्तु (अ) सुसंगत नहीं है

(2) न तो (अ) सुसंगत है, ना (ब)

(3) (अ) सुसंगत है परन्तु (ब) सुसंगत नहीं है

(4) (अ) और (ब) दोनों सुसंगत हैं

25. "Bribery" is defined in which section of Indian Penal Code, 1860?

(1) 171-A

(2) 171-B

(3) 171-C

(4) 171-D

"रिश्वत" को भारतीय दण्ड संहिता, 1860 की किस धारा में परिभाषित किया गया है?

(1) 171–क

(2) 171–ख

(3) 171–ग

(4) 171–घ

26. Where the mortgagor delivers possession of the mortgaged property to the mortgagee, and authorized him to retain such possession until payment of the mortgage money, and to receive the rents and profits accruing from the property and to appropriate the same in lieu of interest or in payment of the mortgage money, the transaction is called -

(1) Simple mortgage

(2) English mortgage

(3) Mortgage by conditional sale

(4) Usufructuary mortgage

जहां कि बन्धककर्ता बन्धक–सम्पत्ति का कब्जा बन्धकदार को परिदत्त कर देता है और उसे प्राधिकृत करता है कि बन्धक धन का संदाय किए जाने तक वह ऐसा कब्जा प्रतिधृत करे और उस सम्पत्ति में प्रोदभूत भाटकों और लाभों को प्राप्त करे और उन्हे ब्याज मद्धे या बन्धक धन के संदाय में विनियोजित कर ले, ऐसा संव्यवहार कहलाता है –

(1) सादा बन्धक

(2) अंग्रेजी बन्धक

(3) सशर्त विक्रय द्वारा बन्धक

(4) भोग बन्धक

27. Every transfer of immovable property made with intent to defeat or delay the creditor or the transferor shall be -

(1) Valid, can be liable in criminal law.

(2) Void.

(3) Voidable at the option of any creditor.

(4) Unlawful.

स्थावर सम्पत्ति का हर एक ऐसा अन्तरण जो अन्तरक के लेनदारों को विफल करने या उन्हे देरी करने के आशय से किया गया है –

(1) वैध होगा, आपराधिक विधियों में उत्तरदायी हो सकता है।

(2) शून्य होगा।

(3) किसी भी लेनदार के विकल्प पर शून्यकरणीय होगा।

(4) अवैध होगा।

28. Any breach of duty which, without an intent to deceive, gains an advantage to the person committing it, or any one claiming under him; by misleading another to his prejudice, or to the prejudice of any one claiming under him, is-

(1) Fraud

(2) Coercion

(3) Undue influence

(4) Misrepresentation

कोई ऐसा कर्त्तव्य भंग, जो प्रवंचना करने के आशय के बिना उस व्यक्ति को, जो उसे करता है, या उससे व्युत्पन्न अधिकार के अधीन दावा करने वाले किसी व्यक्ति को कोई फायदा किसी अन्य को ऐसा भुलावा देकर पहुंचाए, जिससे उस अन्य पर या उससे व्युत्पन्न अधिकार के अधीन दावा करने वाले किसी व्यक्ति पर प्रतिकूल प्रभाव पड़े, है –

(1) कपट

(2) प्रपीडन

(3) असम्यक असर

(4) दुर्व्यपदेशन

29. Fill in the blank from the options given below.

'A', being agent for a landed proprietor, agrees for money, without the knowledge of his principal, to obtain for 'B' a lease of land belonging to his principal. The agreement between 'A' and 'B' is void, as it implies a ..... by 'A', on his principal.

(1) fraud by misrepresentation

(2) fraud by undue influence

(3) fraud by concealment

(4) fraud by coercion

दिए गये विकल्पों से रिक्त स्थान की पूर्ति करें।

'क' जो एक भूस्वामी का अभिकर्ता है, अपने मालिक के ज्ञान के बिना अपने मालिक की भूमि का एक पट्टा 'ख' के लिए अभिप्राप्त करने का करार धन के लिए करता है। 'क' और 'ख' के बीच का करार शून्य है, क्योंकि उसमें यह विवक्षित है कि 'क' ने अपने मालिक से ..... किया है।

(1) दुर्व्यपदेशन द्वारा कपट

(2) असम्यक असर द्वारा कपट

(3) छिपाव द्वारा कपट

(4) प्रपीड़न द्वारा कपट

30. Amit transfers property to Bhanu for life, and after his death to Surendra and Suresh, equally to be divided between them, or to the survivor of them. Surendra dies during the life of Bhanu. Suresh survives Bhanu. At Bhanu's death the property passes to -

(1) Suresh and legal heirs of Surendra

(2) Suresh only

(3) Legal heirs of Amit

(4) Suresh and legal heirs of Surendra & Amit

अमित सम्पत्ति को जीवनपर्यन्त के लिए भानू को और उसकी मृत्यु के पश्चात् सुरेन्द्र और सुरेश को उनमें समविभाजन किए जाने के लिए या उनमें से उत्तरजीवी को अंतरित करता है। भानू के जीवनकाल में सुरेन्द्र की मृत्यु हो जाती है। भानू का उत्तरजीवी सुरेश है। भानू की मृत्यु पर सम्पत्ति संक्रामित होगी –

(1) सुरेश और सुरेन्द्र के विधिक उत्तराधिकारियों को

(2) केवल सुरेश को

(3) अमित के विधिक उत्तराधिकारियों को

(4) सुरेश और सुरेन्द्र एवं अमित के विधिक उत्तराधिकारियों को

31. A party alleged a contract in the pleading. Opposite party made a bare denial of the contract. Which of the following statement is correct?

(1) It shall be construed only as a denial in fact of the express contract alleged.

(2) It shall be construed as a denial of legality of such contract.

(3) It shall be construed as a denial of sufficiency in law of such contract.

(4) All the above

एक पक्षकार अभिवचन में एक संविदा का अभिकथन करता है। विरोधी पक्षकार द्वारा संविदा का कोरा प्रत्याख्यान किया गया। निम्न में से कौनसा कथन सही है?

(1) यह केवल अभिकथित की गई अभिव्यक्त संविदा का प्रत्याख्यान माना जाएगा।

(2) यह ऐसी संविदा की वैधता का प्रत्याख्यान माना जाएगा।

(3) यह ऐसी संविदा की विधि की दृष्टि में पर्याप्तता का प्रत्याख्यान माना जाएगा।

(4) उपरोक्त सभी

32. What amongst the following is a difference between the orders of dismissal of appeal under Order 41 Rule 17(1) and Order 41 Rule 11 (2) of the Code of Civil Procedure, 1908, for the non-appearance of appellant when the appeal is called for hearing?

(1) Regarding service of respondent

(2) Regarding the power of the court to decide the appeal on merits

(3) Regarding the memorandum of appeal

(4) No difference

अपील की सुनवाई के लिए पुकार होने पर, अपीलार्थी द्वारा उपसंजाति के व्यतिक्रम करने पर सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 के आदेश 41 नियम 11 (2) एवं आदेश 41 नियम 17(1) के अन्तर्गत अपील खारिज करने के आदेशों में निम्न में से क्या भिन्नता है?

(1) प्रत्यर्थी की तामील से सम्बन्धित

(2) अपील को गुणावगुण पर निपटाने की न्यायालय की शक्ति से सम्बन्धित

(3) अपील के ज्ञापन से सम्बन्धित

(4) कोई भिन्नता नहीं है

33. Fill in the blank from the options below.

Any party, may, by notice in writing, at any time ..... call on any other party to admit, for the purposes of the suit only, any specific fact or facts, mentioned in such notice.

(1) not later than 15 days before the day fixed for the hearing

(2) not later than 07 days before the day fixed for the hearing

(3) not later than 09 days before the day fixed for the hearing

(4) but before the day fixed for the first hearing

नीचे दिए गये विकल्पों से रिक्त स्थान की पूर्ति करें।

कोई पक्षकार किसी भी अन्य पक्षकार से ..... किसी भी समय लिखित सूचना द्वारा अपेक्षा कर सकेगा कि वह ऐसी सूचना में वर्णित किसी या किन्हीं विर्निदिष्ट तथ्य या तथ्यों को केवल वाद के प्रयोजनों के लिए स्वीकार कर ले।

(1) सुनवाई के लिए नियत दिन से कम से कम पंद्रह दिन पहले

(2) सुनवाई के लिए नियत दिन से कम से कम सात दिन पहले

(3) सुनवाई के लिए नियत दिन से कम से कम नौ दिन पहले

(4) किन्तु प्रथम सुनवाई के लिए नियत दिन से पहले

34. A decree has been passed against the defendant in a civil suit. Defendant filed an appeal which was dismissed by the appellate court under Order XLI Rule 11 of the Code of Civil Procedure, 1908. The dismissal of the appeal has the effect of confirming the decree. Now the plaintiff wants to file an application to correct the clerical mistake in decree. In which court he will file that application?

(1) In the appellate court which dismissed the appeal, which has the effect of confirming the decree

(2) In the court which had passed the decree

(3) Plaintiff has to file that application before the trial court, prior to the dismissal of appeal, now he cannot file that application

(4) Plaintiff cannot file the application but he can file the special leave to appeal to correct the clerical mistake in the decree

एक सिविल वाद में प्रतिवादी के विरुद्ध एक डिक्री पारित की गई। प्रतिवादी द्वारा अपील प्रस्तुत की गई, जो सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 के आदेश 41 नियम 11 के अन्तर्गत अपीलीय न्यायालय द्वारा खारिज कर दी गई। अपील खारिज करने का प्रभाव डिक्री की पुष्टि है। अब वादी डिक्री में लिपिकीय त्रुटि को दुरुस्त करने हेतु एक आवेदन प्रस्तुत करना चाहता है। वह किस न्यायालय में उक्त आवेदन प्रस्तुत करेगा?

(1) अपीलीय न्यायालय में, जिसके द्वारा अपील खारिज की गई, जिसका प्रभाव डिक्री की पुष्टि है

(2) उस न्यायालय में, जिसके द्वारा डिक्री पारित की गई

(3) वादी को उक्त आवेदन विचारण न्यायालय के समक्ष अपील खारिज होने से पूर्व प्रस्तुत करना चाहिए था, अब वह उक्त आवेदन प्रस्तुत नहीं कर सकता

(4) वादी आवेदन प्रस्तुत नहीं कर सकता है किन्तु डिक्री में लिपिकीय त्रुटि को दुरुस्त करने हेतु विशेष अनुमति याचिका प्रस्तुत कर सकता है

35. Where immovable property is sold in execution of a decree and such sale become absolute, the property shall be deemed to have vested in the purchaser from the time, when -

(1) the property is sold.

(2) sale become absolute.

(3) the property is attached.

(4) the public notice regarding auction is issued.

जहां किसी डिक्री के निष्पादन में स्थावर सम्पत्ति का विक्रय किया गया है और ऐसा विक्रय आत्यन्तिक हो गया है, वहां यह समझा जाएगा कि सम्पत्ति उस समय से क्रेता में निहित हो गई है, जब –

(1) सम्पत्ति का विक्रय किया गया।

(2) विक्रय आत्यन्तिक हो गया।

(3) सम्पत्ति कुर्क की गई।

(4) नीलामी हेतु सार्वजनिक नोटिस जारी किया गया।

36. Substituted service of summons may be ordered, where-

(1) The plaintiff wants it and proposes to bear the costs thereof

(2) The defendant resides outside the territorial jurisdiction of the court

(3) The defendant avoids the service of summon or summon cannot be served in ordinary way

(4) The defendant refuses to sign the acknowledgement

समन की प्रतिस्थापित तामील का आदेश किया जा सकता है, जहां–

(1) वादी इसे चाहता है और इस बाबत खर्चा वहन करने का प्रस्ताव करता है

(2) प्रतिवादी न्यायालय के प्रादेशिक क्षेत्राधिकार से बाहर निवास करता है

(3) प्रतिवादी समन की तामील से बचता है या समन की तामील मामूली प्रकार से नहीं की जा सकती

(4) प्रतिवादी अभिस्वीकृति पर हस्ताक्षर करने से इन्कार करता है

37. The doctrine of Acceleration described in which section of the Transfer of Property Act, 1882?

(1) Section 25

(2) Section 27

(3) Section 29

(4) Section 30

सम्पत्ति अंतरण अधिनियम, 1882 की कौनसी धारा त्वरीताप्ति के सिद्धान्त की व्याख्या करती है?

(1) धारा 25

(2) धारा 27

(3) धारा 29

(4) धारा 30

38. "Mesne Profit" does not include -

(1) Those profits which the person in wrongful possession of such property actually secured.

(2) Those profits which the person might, with ordinary diligence have secured therefrom, together with interest on such profits.

(3) Profits due to improvements made by the person in wrongful possession.

(4) None of the above.

"अन्तःकालीन लाभ" में शामिल नहीं है –

(1) वह लाभ जो ऐसी सम्पत्ति पर सदोष कब्जा रखने वाले व्यक्ति को वस्तुतः प्राप्त हुए हों।

(2) ऐसे लाभों पर ब्याज के सहित, वह लाभ जो व्यक्ति मामूली तत्परता से प्राप्त कर सकता था।

(3) सदोष कब्जा रखने वाले व्यक्ति द्वारा की गई अभिवृद्धियों के कारण हुए लाभ।

(4) उपरोक्त में से कोई नहीं।

39. Under the provisions of the Code of Civil Procedure, 1908, the application for permission to sue as an indigent person shall be rejected-

(1) Where it is framed and presented in the manner prescribed by Rule 2 & Rule 3 of Order 33.

(2) Where within 02 months next before the presentation of the application, disposed of any property and even after the value of the property disposed of is taken into account, the applicant would be entitled to sue as an indigent person.

(3) Where the applicant has entered into any agreement with reference to the subject matter of the proposed suit under which any other person has obtained an interest in such subject matter.

(4) All of the above

सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 के प्रावधानों के अन्तर्गत निर्धन व्यक्ति के रूप में वाद लाने की अनुज्ञा के लिए आवेदन नामंजूर किया जाएगा–

(1) जहां आदेश 33 के नियम 2 व 3 में विहित रीति से उसकी विरचना और उपस्थापित किया गया है।

(2) जहां आवेदन उपस्थापित करने के ठीक पहले वाले 2 मास के भीतर किसी सम्पत्ति का व्ययन कर दिया है और व्ययनित सम्पत्ति के मूल्य को हिसाब में लाने पर भी वह निर्धन व्यक्ति के रूप में वाद लाने का हकदार हो।

(3) जहां आवेदक ने प्रस्थापित वाद की विषय–वस्तु के बारे में कोई ऐसा करार किया है, जिसके अधीन किसी अन्य व्यक्ति ने ऐसी विषय वस्तु में हित अभिप्राप्त कर लिया है।

(4) उपरोक्त सभी

40. Every pleading, when filed shall be accompanied by a statement regarding the address of the party. The address furnished in the statement be called the "registered address" of the party, and shall, until duly changed, be deemed to be the address of the party for the purpose of service of all processes in the suit or in any appeal from any decree or order therein made and for the purpose of execution, and shall hold good, for a period,

(1) of one year after the determination of cause or matter.

(2) of two years after the determination of cause or matter.

(3) till the determination of cause or matter.

(4) of two months after the determination of cause or matter.

फाईल किए जाने वाले प्रत्येक अभिवचन के साथ पक्षकार के पते के बारे में कथन होगा। कथन में दिए गये पते को पक्षकार का "रजिस्ट्रीकृत पता" कहा जाएगा और जब तक सम्यकृतः परिवर्तित न किया गया हो तब तक वह वाद में या उसमें दी गई किसी डिक्री या किए गये किसी आदेश की किसी अपील में और निष्पादन के प्रयोजन के लिए पक्षकार का पता समझा जाएगा और वही पता सही माना जाएगा –

(1) मामले या विषय के निर्धारण के पश्चात् एक वर्ष की अवधि के लिए।

(2) मामले या विषय के निर्धारण के पश्चात् दो वर्ष की अवधि के लिए।

(3) मामले या विषय के निर्धारण तक।

(4) मामले या विषय के निर्धारण के पश्चात् दो माह की अवधि के लिए।

41. Under the provisions of Order 21 Rule 90 of the Code of Civil Procedure, 1908, the sale of immovable property made under execution of a decree may be set aside on which of the following ground?

(1) The applicant had sustained substantial injury by reason of material irregularity in publishing or conducting it

(2) The absence of attachment of the property sold

(3) When property sold was attached but such attachment was defective

(4) On all the above grounds

सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 के आदेश 21 नियम 90 के प्रावधानों के अन्तर्गत किसी डिक्री के निष्पादन में किए गये स्थावर सम्पत्ति के विक्रय को निम्न में से किस आधार पर अपास्त किया जाएगा?

(1) उसके प्रकाशन या संचालन में हुई तात्विक अनियमितता के आधार पर आवेदक को सारवान क्षति कारित हुई है

(2) विक्रित सम्पत्ति की कुर्की का न होना

(3) जब विक्रय की गई सम्पत्ति की कुर्की हुई हो परन्तु ऐसी कुर्की त्रुटिपूर्ण हो

(4) उपरोक्त सभी आधारों पर

42. Fill in the blank from the options given below.

A person to whom money has been paid, or anything delivered, by ....., must repay or return it.

(1) mistake or coercion

(2) fraud or coercion

(3) misrepresentation or Fraud

(4) undue influence or mistake

दिए गये विकल्पों से रिक्त स्थान की पूर्ति करें।

जिस व्यक्ति को ..... के अधीन धन संदत्त किया गया है या कोई चीज परिदत्त की गई है, उसे उसका प्रतिसंदाय या वापसी करनी होगी।

(1) भूल या प्रपीड़न

(2) कपट या प्रपीड़न

(3) दुर्व्यपदेशन या कपट

(4) असम्यक असर या कपट

43. Which of the following is not an exception of the transfer of actionable claims?

(1) The transfer of marine policy of insurance

(2) The transfer of insurance policy

(3) The provisions of Section 38 of the Insurance Act, 1938

(4) The transfer of Fire Policy of insurance

निम्न में से कौनसा अनुयोज्य दावों के अंतरण का अपवाद नहीं है?

(1) समुद्री बीमा पॉलिसी का अंतरण

(2) बीमा पॉलिसी का अंतरण

(3) बीमा अधिनियम, 1938 की धारा 38 के उपबन्ध

(4) अग्नि बीमा पॉलिसी का अंतरण

44. Plaintiff filed a civil suit accompanied with his registered address. That registered address is discovered by the court to be incomplete, false or fictitious, the court may -

(1) Dismiss the suit.

(2) Stay the suit.

(3) Disallow the suit.

(4) None of the above

वादी अपने रजिस्ट्रीकृत पते के साथ एक सिविल वाद प्रस्तुत करता है। न्यायालय को यह पता चलता है कि यह पंजीकृत पता अधूरा, मिथ्या या काल्पनिक है, वहां न्यायालय –

(1) वाद खारिज कर सकता है।

(2) वाद रोक सकता है।

(3) वाद अस्वीकार कर सकता है।

(4) उपरोक्त में से कोई नहीं

45. The court may compel the attendance of any person to whom a summon has been issued under section 30 of the Code of Civil Procedure, 1908 and for that purpose may –

1. issue a warrant for his arrest.
2. attach and sell his property.
3. impose a fine upon him not exceeding five thousand rupees.
4. order him to furnish security for his appearance and in default commit him to civil prison.

Which of the following is best suited option to the above statements?

(1) 1 and 3 are correct

(2) 1, 3 and 4 are correct

(3) 1, 2 and 4 are correct

(4) 1, 2, 3 & 4, all are correct

न्यायालय किसी ऐसे व्यक्ति को जिसके नाम सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 की धारा 30 के अधीन समन निकाला गया है, हाजिर होने के लिए विवश कर सकेगा और उस प्रयोजन के लिए –

1. उसकी गिरफ्तारी के लिए वारण्ट निकाल सकेगा।
2. उसकी सम्पत्ति को कुर्क और विक्रय कर सकेगा।
3. उसके ऊपर पांच हजार रुपये से अनधिक जुर्माना अधिरोपित कर सकेगा।
4. उसे आदेश दे सकेगा कि वह अपनी उपसंजाति के लिए प्रतिभूति दे और व्यतिक्रम करने पर उसको सिविल कारागार को सुपुर्द कर सकेगा।

उपरोक्त कथनों के संदर्भ में निम्न में से कौनसा सर्वोत्तम विकल्प है?

(1) 1 और 3 सही हैं

(2) 1, 3 और 4 सही हैं

(3) 1, 2 और 4 सही हैं

(4) 1, 2, 3 व 4, सभी सही हैं

46. Which of the following statement is not correct?
A proposal is revoked-
(1) By the lapse of time prescribed in such proposal for its acceptance or, if no time is prescribed, by the lapse of reasonable time without communication of the acceptance.
(2) By the failure of acceptor to fulfill the condition precedent to acceptance.
(3) By the failure of proposer to fulfill the condition precedent to acceptance.
(4) By the death or insanity of the proposer, if the fact of his death or insanity comes to the knowledge of the acceptor before acceptance.

निम्नलिखित में से कौनसा कथन सत्य नहीं है?
एक प्रस्ताव प्रतिसंहरित हो जाता है –
(1) ऐसी प्रस्थापना में उसके प्रतिग्रहण के लिए विहित समय के बीत जाने से या यदि कोई समय इस प्रकार विहित न हो, तो प्रतिग्रहण की सूचना के बिना युक्तियुक्त समय बीत जाने से
(2) प्रतिग्रहण किसी पुरोभाव्य शर्त को पूरा करने में प्रतिगृहिता की असफलता से
(3) प्रतिग्रहण किसी पुरोभाव्य शर्त को पूरा करने में प्रस्थापक की असफलता से
(4) प्रस्थापक की मृत्यु या उन्मत्तता से, यदि उसकी मृत्यु या उन्मत्तता का तथ्य प्रतिगृहिता के ज्ञान में प्रतिग्रहण से पूर्व आ जाए

47. A mortgagee has obtained a decree for the payment of money in satisfaction of a claim arising out of the mortgage. Can he bring the suit for sale of mortgaged property?
(1) He cannot, as the suit for sale of mortgaged property is barred by Order 2 Rule 2 of the Code of Civil Procedure, 1908.
(2) He cannot, as the suit is barred by Res-Judicata.
(3) He may institute such suit notwithstanding anything contained in Order 2 Rule 2 of the Code of Civil Procedure, 1908.
(4) He cannot, as second suit is not maintainable.

एक बंधकदार ने बंधक के अधीन उद्‌भूत होने वाले दावे की तुष्टि में धन के संदाय के लिए एक डिक्री अभिप्राप्त कर ली। क्या वह बंधक सम्पत्ति के विक्रय के लिए वाद ला सकता है?
(1) वह नहीं ला सकता चूंकि बंधक सम्पत्ति के विक्रय के लिए वाद सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 के आदेश 2 नियम 2 के अंतर्गत बाधित है।
(2) वह नहीं ला सकता चूंकि वाद प्राङ्‌न्याय से बाधित है।
(3) सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 के आदेश 2 नियम 2 में किसी बात के होते हुए भी वह ऐसा वाद संस्थित कर सकता है।
(4) वह नहीं ला सकता चूंकि द्वितीय वाद पोषणीय नहीं है।

48. When a thing, which is commonly the subject of sale, is lost, then if the owner cannot with reasonable diligence be found, or if he refuses upon demand, to pay the lawful charges of the finder, the finder may sell it when the lawful charges of the finder, in respect of the thing found, amount to-
(1) half of its value.
(2) one-third of its value.
(3) two-thirds of its value.
(4) One-fourth of its value.

जबकि कोई चीज, जो सामान्यतया विक्रय का विषय हो, खो जाए तब यदि स्वामी का युक्तियुक्त तत्परता से पता नहीं लगाया जा सके या यदि वह पड़ा पाने वाले की विधिपूर्ण प्रभारों का मांगे जाने पर संदाय करने से इन्कार करे, तो पड़ा पाने वाला उसको बेच सकेगा जबकि पाई गई चीज के बारे में पड़े पाने वाले के विधिपूर्ण प्रभार का मूल्य –

(1) उसके मूल्य का आधा हो।

(2) उसके मूल्य का एक तिहाई हो।

(3) उसके मूल्य का दो तिहाई हो।

(4) उसके मूल्य का एक चौथाई हो।

49. 'x' files a suit for declaration of title and permanent injunction against 'y' and also files an application for Temporary Injunction under Order 39 Rule 1(c) of the Code of Civil Procedure, 1908. The court dismisses the application for Temporary Injunction. 6 months later, during the pendency of the suit, 'x' again files the application for Temporary Injunction under Order 39 Rule 1(c) of the Code of Civil Procedure, 1908, pleading new facts and circumstances -

(1) The second application for Temporary Injunction is barred by Res Judicata

(2) The second application for Temporary Injunction is maintainable as pleaded new facts and circumstances

(3) The second application for Temporary Injunction is barred by the principle of Res-subjudice

(4) The second application for Temporary Injunction is not maintainable as the appeal of the order of dismissal of 1st application for Temporary Injunction could be filed as per law

"क" "ख" के विरुद्ध स्वत्व की घोषणा एवं स्थाई निषेधाज्ञा का वाद प्रस्तुत करता है और सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 के आदेश 39 नियम 1 (स) के अंतर्गत अस्थाई निषेधाज्ञा का आवेदन भी प्रस्तुत करता है। न्यायालय द्वारा अस्थाई निषेधाज्ञा का आवेदन खारिज कर दिया जाता है। 6 महीनों के बाद, वाद के लम्बित रहने के दौरान, नये तथ्यों व परिस्थितियों का अभिवचन करते हुए "क" पुनः सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 के आदेश 39 नियम 1 (स) के अंतर्गत अस्थाई निषेधाज्ञा का आवेदन प्रस्तुत करता है–

(1) अस्थाई निषेधाज्ञा का द्वितीय आवेदन प्राङन्याय के सिद्धान्त से बाधित है

(2) चूंकि नये तथ्य व परिस्थितियों का अभिवचन किया गया है, अतः द्वितीय अस्थाई निषेधाज्ञा का प्रार्थना पत्र पोषणीय है

(3) अस्थाई निषेधाज्ञा का द्वितीय आवेदन लम्बित वाद के सिद्धान्त से बाधित है

(4) अस्थाई निषेधाज्ञा का द्वितीय प्रार्थना पत्र पोषणीय नहीं है, क्योंकि प्रथम अस्थाई निषेधाज्ञा के प्रार्थना पत्र की खारिजी के विरुद्ध विधि अनुसार अपील प्रस्तुत की जा सकती है

50. Which of the following document, if any, be returned to the party?

(1) Document which is impounded by court

(2) Document which by force of the decree has become wholly void

(3) Document not admitted in evidence

(4) None of the above

निम्न में से कौनसा दस्तावेज, यदि कोई हो, पक्षकार को लौटाया जाएगा?

(1) दस्तावेज जो न्यायालय द्वारा परिबद्ध किया गया है

(2) दस्तावेज जो डिक्री के प्रभाव के कारण पूर्णतया शून्य हो गया है

(3) दस्तावेज जो साक्ष्य में ग्राह्य नहीं किया गया है

(4) उपरोक्त में से कोई नहीं

51. By which of the following amendment, Article 21A- Right to Education, was inserted in the Constitution of India?

(1) 86th amendment

(2) 85th amendment

(3) 87th amendment

(4) 88th amendment

निम्न में से कौनसे संशोधन द्वारा, अनुच्छेद 21क – शिक्षा का अधिकार, भारत के संविधान में जोड़ा गया?

(1) 86 वें संशोधन द्वारा

(2) 85 वें संशोधन द्वारा

(3) 87 वें संशोधन द्वारा

(4) 88 वें संशोधन द्वारा

52. A member of either House of Parliament belonging to any political party who is disqualified for being the member of that House under Paragraph 2 of the Tenth Schedule -

(1) May be appointed as a Minister under Clause (1) of Article 75 of Constitution of India, but shall be ceased to be a Minister on expiration of six months unless during this period he contest any election of either House of parliament and has been declared elected.

(2) Shall also be disqualified to be appointed as Minister under Clause (1) of Article 75 of Constitution of India, for duration of the period of commencing from the date of his disqualification till the date on which the term of his office as such member would expire or he contest any election of either House of parliament before expiry of such period, till the date on which he is declared elected, whichever is earlier.

(3) Shall also be disqualified to be appointed as Minister under Clause (1) of Article 75 of Constitution of India, for duration of the period of commencing from the date of his disqualification till the date on which the term of his office as such member would expire, whether or not he contests any election of either House of parliament during such term and declared elected.

(4) May be appointed as a Minister under Clause (1) of Article 75 of Constitution of India, whether or not, he contests any election of either House of parliament and has been declared elected.

राजनैतिक दल से सम्बन्धित, संसद के किसी सदन का कोई सदस्य, जो दसवीं अनुसूची के पैरा 2 के अधीन उस सदन का सदस्य होने लिए निरर्हित है –

(1) भारत के संविधान के अनुच्छेद 75 के खण्ड (1) के अधीन मंत्री नियुक्त किया जा सकता है, परन्तु छः मास के अवसान की समाप्ति पर मंत्री नहीं रहेगा, सिवाय इसके कि इस अवधि में वह संसद के किसी सदन के लिए निर्वाचन लड़ता है और उसे निर्वाचित घोषित कर दिया जाता है।

(2) अपनी निरर्हिता की तारीख से प्रारंभ होने वाले और उस तारीख तक जिसको ऐसे सदस्य के रूप में उसकी पदावधि समाप्त होगी या जहां वह ऐसी अवधि की समाप्ति के पूर्व संसद के किसी सदन के लिए निर्वाचन लड़ता है, उस तारीख तक जिसको वह निर्वाचित घोषित किया जाता है, इनमे से जो भी पूर्वतर हो, की अवधि के दौरान भारत के संविधान के अनुच्छेद 75 के खण्ड (1) के अधीन मंत्री के रूप में नियुक्त किए जाने के लिए भी निरर्हित होगा।

(3) अपनी निरर्हिता की तारीख से प्रारंभ होने वाले और उस तारीख तक जिसको ऐसे सदस्य के रूप में उसकी पदावधि समाप्त होगी, की अवधि के दौरान भारत के संविधान के अनुच्छेद 75 के खण्ड (1) के अधीन मंत्री के रूप में नियुक्त किए जाने के लिए भी निरर्हित होगा, चाहे वह ऐसी अवधि की समाप्ति के पूर्व संसद के किसी सदन के लिए निर्वाचन लड़े एवं निर्वाचित घोषित किया जाता है या न लड़े।

(4) भारत के संविधान के अनुच्छेद 75 के खण्ड (1) के अधीन मंत्री नियुक्त किया जा सकता है, चाहे वह ऐसी अवधि की समाप्ति के पूर्व संसद के किसी सदन के लिए निर्वाचन लड़े एवं निर्वाचित घोषित किया जाता है या न लड़े।

53. In which of the followings, forms of oaths and affirmations related to article 75(4), 124(6) and 219 of the Constitution of India, are prescribed?

(1) Part 'D' of second schedule of the Constitution of India

(2) Third schedule of the Constitution of India

(3) Part 'D' of fifth schedule of the Constitution of India

(4) Fourth schedule of the Constitution of India

निम्न में से किसमें भारतीय संविधान के अनुच्छेद 75(4), 124(6) और 219 से सम्बन्धित शपथ एवं प्रतिज्ञान के प्रारूप विहित हैं?

(1) भारतीय संविधान की दूसरी अनुसूची के भाग 'घ' में

(2) भारतीय संविधान की तीसरी अनुसूची में

(3) भारतीय संविधान की पांचवी अनुसूची के भाग 'घ' में

(4) भारतीय संविधान की चौथी अनुसूची में

54. The President may by order declare that the right to move any court for the enforcement of rights conferred under Part III of the Constitution of India during the Proclamation of emergency in operation, remain suspended except -

(1) Articles 19 & 22

(2) Articles 19 & 14

(3) Articles 15 & 16

(4) Articles 20 & 21

आपात की उद्घोषणा के प्रवर्तन में रहने के दौरान, राष्ट्रपति आदेश द्वारा यह घोषणा कर सकेगा कि भारत के संविधान के भाग–3 द्वारा प्रदत्त ऐसे अधिकारों को प्रवर्तित कराने के लिए किसी न्यायालय को समावेदन करने का अधिकार निलंबित रहेगा, सिवाय –

(1) अनुच्छेद 19 एवं 22 के

(2) अनुच्छेद 19 एवं 14 के

(3) अनुच्छेद 15 एवं 16 के

(4) अनुच्छेद 20 एवं 21 के

55. Which one of the following is not appropriate to fill in the blank?

At the commencement of Constitution of India, every person who has his domicile in the territory of India and ....., shall be the citizen of India.

(1) who was born in the territory of India

(2) each of whose parents were born in the territory of India

(3) either of whose parents was born in the territory of India

(4) who has been ordinarily resident in the territory of India for not less than five years immediately preceding such commencement

निम्न में कौनसा रिक्त स्थान को भरने के लिए उपयुक्त नहीं है?

भारत के संविधान के प्रारंभ पर प्रत्येक व्यक्ति जिसका भारत के राज्यक्षेत्र में अधिवास है और ....., भारत का नागरिक होगा।

(1) जो भारत के राज्यक्षेत्र में जन्मा था

(2) जिसके माता–पिता में से प्रत्येक भारत के राज्यक्षेत्र में जन्मा था

(3) जिसके माता–पिता में से कोई भारत के राज्यक्षेत्र में जन्मा था

(4) जो प्रारंभ से ठीक पहले कम से कम पांच वर्ष तक भारत के राज्यक्षेत्र में मामूली तौर से निवासी रहा है

56. The 9th Schedule of the Constitution of India contains a list of Acts and Regulations which cannot be challenged by virtue of Article .....

(1) 31-A

(2) 31-B

(3) 31-C

(4) 31-D

भारत के संविधान की 9वीं अनुसूची में अधिनियमों एवं विनियमों की सूची है, जिसे अनुच्छेद ..... के आधार पर चुनौती नहीं दी जा सकती।

(1) 31–क

(2) 31–ख

(3) 31–ग

(4) 31–घ

57. If a person sits or votes as a member of either House of Parliament before he has complied with the requirements of Article 99 of the Constitution of India, or when he knows that he is not qualified or that he is disqualified for membership thereof, or that he is prohibited from so doing by the provisions of any law made by Parliament, he shall be .....

(1) Disqualified to be the member of respective house

(2) Expelled from the respective house for a period of 15 days

(3) Liable in respect of each day on which he so sits or votes to a penalty of five hundred rupees to be recovered as a debt due to the Union.

(4) Liable in respect of each day on which he so sits or votes to a penalty of five thousand rupees to be recovered as a debt due to the Union.

यदि संसद के किसी सदन में कोई व्यक्ति भारत के संविधान के अनुच्छेद 99 की अपेक्षाओं का अनुपालन करने से पहले, या यह जानते हुए कि वह उसकी सदस्यता के लिए अर्हित नहीं है या निरर्हित कर दिया गया है या संसद द्वारा बनाई गई विधि के उपबंधों द्वारा ऐसा करने से प्रतिषिद्ध कर दिया गया है, सदस्य के रूप में बैठता है या मत देता है, तो वह –

(1) सम्बन्धित सदन के सदस्य होने के लिए अयोग्य हो जाएगा

(2) सम्बन्धित सदन से 15 दिन के लिए निष्कासित कर दिया जाएगा

(3) प्रत्येक दिन के लिए, जब तक इस प्रकार बैठता है या मत देता है, पांच सौ रुपये की शास्ति का भागी होगा जो संघ को देय ऋण के रूप में वसूल की जाएगी।

(4) प्रत्येक दिन के लिए, जब तक इस प्रकार बैठता है या मत देता है, पांच हजार रुपये की शास्ति का भागी होगा जो संघ को देय ऋण के रूप में वसूल की जाएगी।

58. What is the minimum age to be the member of Council of States and House of the People, respectively?

(1) 18 Years 18 Years

(2) 25 Years 18 Years

(3) 25 Years 25 Years

(4) 30 Years 25 Years

राज्यसभा एवं लोकसभा का सदस्य होने की क्रमशः न्यूनतम आयु कितनी है?

(1) 18 वर्ष 18 वर्ष

(2) 25 वर्ष 18 वर्ष

(3) 25 वर्ष 25 वर्ष

(4) 30 वर्ष 25 वर्ष

59. Which of the following schedule of the Constitution of India provides for dis-qualification on ground of defection?

(1) 9th Schedule

(2) 8th Schedule

(3) 10th Schedule

(4) 7th Schedule

भारत के संविधान की, निम्न में से कौनसी अनुसूची दल परिवर्तन के आधार पर निरर्हता के बारे में उपबन्ध करती है?

(1) नवीं अनुसूची

(2) आठवीं अनुसूची

(3) दसवीं अनुसूची

(4) सातवीं अनुसूची

60. Under Article 76 of the Constitution of India, the right of audience means -

(1) In the performance of his duties the Attorey-General of India shall have right of audience before President of India

(2) In the performance of his duties the Attorey-General of India shall have right of audience in the House of Parliament

(3) In the performance of his duties the Attorey-General of India shall have right of audience in the Cabinet of Ministers

(4) In the performance of his duties the Attorey-General of India shall have right of audience in all courts in the territory of India

भारत के संविधान के अनुच्छेद 76 के अंतर्गत, सुनवाई के अधिकार से अभिप्रेत है –

(1) महान्यायवादी को अपने कर्त्तव्यों के पालन में भारत के राष्ट्रपति के समक्ष सुनवाई का अधिकार होगा

(2) महान्यायवादी को अपने कर्त्तव्यों के पालन में भारत की संसद के सदनों में सुनवाई का अधिकार होगा

(3) महान्यायवादी को अपने कर्त्तव्यों के पालन में मंत्रिपरिषद् में सुनवाई का अधिकार होगा

(4) महान्यायवादी को अपने कर्त्तव्यों के पालन में भारत के राज्य क्षेत्र में सभी न्यायालयों में सुनवाई का अधिकार होगा

61. Which of the following infrastructure project is not mentioned in schedule to the Specific Relief Act, 1963?

(1) Three star or higher category classified hotels located outside cities with population of more than one million

(2) Three star or higher category classified hotels located within the cities with population of more than one lakh

(3) Ropeways and cable cars

(4) Terminal markets

निम्न में से कौनसी अवसंरचना परियोजना विनिर्दिष्ट अनुतोष अधिनियम, 1963 की अनुसूची में वर्णित नहीं है?

(1) दस लाख से अधिक की जनसंख्या वाले नगरों के बाहर अवस्थित तीन सितारा या उच्चतर प्रवर्ग के वर्गीकृत होटल

(2) एक लाख से अधिक की जनसंख्या वाले नगरों के अन्दर अवस्थित तीन सितारा या उच्चतर प्रवर्ग के वर्गीकृत होटल

(3) रज्जू मार्ग और केबल कार

(4) टर्मिनल बाजार

62. A suit filed under the provisions of the Specific Relief Act, 1963, shall be disposed of by the court -

(1) Within a period of 12 months from the date of presentation of suit.

(2) Within a period of 12 months from the date of service of defendant in such suit.

(3) Within a period of 12 months from the date of framing of issues.

(4) Within a period of 12 months from the date of completion of examination of parties under Order 10 Rule 2 of the Code of Civil Procedure, 1908.

न्यायालय द्वारा, विनिर्दिष्ट अनुतोष अधिनियम, 1963 के प्रावधानों के अन्तर्गत प्रस्तुत वाद का निपटारा –

(1) वाद के उपस्थित किए जाने से 12 मास की अवधि के भीतर किया जाएगा।

(2) ऐसे वाद में प्रतिवादी को समन की तामील से 12 मास की अवधि के भीतर किया जाएगा।

(3) विवाद्यकों के स्थरीकरण के दिन से 12 मास की अवधि के भीतर किया जाएगा।

(4) सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 के आदेश 10 नियम 2 में पक्षकारों की परीक्षा समाप्त होने से 12 मास की अवधि के भीतर किया जाएगा।

63. Which of the following statement is not correct with respect to filing of suit under Section 6 of the Specific Relief Act, 1963?

(1) A suit under Section 6 cannot be filed against the Government.

(2) Appeal or review of an order or decree passed under Section 6 is not allowed.

(3) A suit under Section 6 can be filed when any person has been dispossessed from his immovable property without consent and otherwise in due course of law.

(4) A suit under Section 6 cannot be filed after the expiry of twelve months from the date of dispossession.

विनिर्दिष्ट अनुतोष अधिनियम, 1963 की धारा 6 के अन्तर्गत वाद प्रस्तुत करने के लिए निम्न में से कौनसा कथन सही नहीं है?

(1) धारा 6 के अन्तर्गत सरकार के विरुद्ध वाद प्रस्तुत नहीं किया जा सकता।

(2) धारा 6 के अन्तर्गत पारित एक आदेश या डिक्री की अपील या पुनर्विलोकन अनुज्ञात नहीं होगा।

(3) धारा 6 के अन्तर्गत वाद प्रस्तुत किया जा सकता है जबकि कोई व्यक्ति अपनी सम्मति के बिना स्थावर सम्पत्ति से विधि के सम्यक अनुक्रम से अन्यथा बेकब्जा कर दिया गया हो।

(4) बेकब्जा किए जाने की तारीख से 12 महीने की अवधि के अवसान के पश्चात्, धारा 6 के अन्तर्गत वाद प्रस्तुत नहीं किया जा सकता है।

64. Court cannot refuse the rescission of contract -

(1) Where the contract is voidable by the plaintiff

(2) Where the plaintiff has impliedly ratified the contract

(3) Where rescinded part of the contract is not severable from the rest of the contract

(4) Where third parties have, during the subsistence of the contract, acquired rights in good faith without notice

न्यायालय संविदा का विखण्डन नामंजूर नहीं कर सकेगा–

(1) जहां कि संविदा वादी द्वारा शून्यकरणीय हो

(2) जहां कि वादी ने विवक्षिततः संविदा को अनुसमर्थित कर दिया है

(3) जहां विखण्डन का भाग संविदा के शेष भाग से पृथक न होने योग्य हो

(4) जहां कि संविदा के अस्तित्व के दौरान पर–व्यक्तियों ने सूचना के बिना सद्भावपूर्वक अधिकार अर्जित कर लिए हों

65. Which of the following statement is incorrect?

(1) An injunction cannot be granted to prevent the breach of a contract the performance of which would not be specifically enforced.

(2) An injunction cannot be granted to prevent, on ground of nuisance, an act of which it is not reasonable clear that it will be a nuisance.

(3) An injunction cannot be granted to prevent a continuing breach in which the plaintiff has acquiesced.

(4) An injunction can be granted when the plaintiff has no personal interest in the matter.

निम्न में कौनसा कथन सही नहीं है?

(1) ऐसी संविदा का भंग निवारित करने को, जिसका विनिर्दिष्टतः पालन प्रवर्तनीय नहीं है, व्यादेश जारी नहीं किया जा सकता।

(2) न्यूसेंस के आधार पर निवारित करने को, जिसके सम्बन्ध में यह युक्तियुक्त तौर पर स्पष्ट न हो कि वह न्यूसेंस हो जाएगा, व्यादेश जारी नहीं किया जा सकता।

(3) किसी ऐसे चालू रहने वाले भंग को निवारित करने को, जिसमें वादी उपमत हो गया हो, व्यादेश जारी नहीं किया जा सकता।

(4) व्यादेश जारी किया जा सकता है, जबकि वादी का उस मामले में वैयक्तिक हित न हो।

66. What is the punishment for illegal import into India, export from India or transhipment of narcotic drugs and psychotropic substances, where the contravention involves quantity lesser than commercial quantity but greater than small quantity?

(1) Imprisonment of any description for a term which shall not be less than seven years but which may extend to ten years, and with fine which may extend to one lakh rupees

(2) Imprisonment of any description for a term which may extend to ten years, and with fine which may extend to one lakh rupees

(3) Rigorous imprisonment for a term which shall not be less than seven years but which may extend to ten years, and with fine which may extend to one lakh rupees

(4) Rigorous imprisonment for a term which may extend to ten years, and with fine which may extend to one lakh rupees

स्वापक औषधि और मनःप्रभावी पदार्थ के अवैध रूप से भारत में आयात, भारत से निर्यात या यानांतरण के लिए क्या दण्ड है, जहां उल्लंघन वाणिज्यिक मात्रा से कम किंतु अल्प मात्रा से अधिक से संबंधित है?

(1) किसी भी भांति का कारावास जिसकी अवधि सात वर्ष से कम नहीं होगी किन्तु दस वर्ष तक की हो सकेगी और जुर्माना जो एक लाख रुपये तक का हो सकेगा।

(2) किसी भी भांति का कारावास जिसकी अवधि दस वर्ष तक की हो सकेगी और जुर्माना जो एक लाख रुपये तक का हो सकेगा।

(3) कठोर कारावास जिसकी अवधि सात वर्ष से कम नहीं होगी किन्तु दस वर्ष तक की हो सकेगी और जुर्माना जो एक लाख रुपये तक का हो सकेगा।

(4) कठोर कारावास जिसकी अवधि दस वर्ष तक की हो सकेगी और जुर्माना जो एक लाख रुपये तक का हो सकेगा।

67. Which among the following is not an offence for which, on conviction, the court shall not order to publish in newspapers, the name and place of business or residence, nature of contravention and the fact that the person has been so convicted?

(1) Section 25 Narcotic Drugs and Psychotropic Substances Act, 1985
(2) Section 27A Narcotic Drugs and Psychotropic Substances Act, 1985
(3) Section 28 Narcotic Drugs and Psychotropic Substances Act, 1985
(4) Section 30 Narcotic Drugs and Psychotropic Substances Act, 1985

निम्न में कौनसा एक अपराध नहीं है जिसके लिए, दोषसिद्धि पर, न्यायालय ऐसे व्यक्ति का नाम और कारोबार का स्थान या निवास स्थान, उल्लंघन की प्रकृति तथा यह तथ्य कि उस व्यक्ति को इस प्रकार सिद्धदोष ठहराया गया है, समाचार पत्रों में प्रकाशित करने का आदेश नहीं देगा?

(1) धारा 25 स्वापक औषधि और मनःप्रभावी पदार्थ अधिनियम, 1985
(2) धारा 27क स्वापक औषधि और मनःप्रभावी पदार्थ अधिनियम, 1985
(3) धारा 28 स्वापक औषधि और मनःप्रभावी पदार्थ अधिनियम, 1985
(4) धारा 30 स्वापक औषधि और मनःप्रभावी पदार्थ अधिनियम, 1985

68. A person is convicted for any offence punishable under the Narcotic Drugs and Psychotropic Substances Act, 1985. Subsequently, he is again convicted for any of the offence punishable under the Narcotic Drugs and Psychotropic Substances Act, 1985. In such case, what will the limit of enhanced punishment?

(1) Rigorous imprisonment for a term which may extend to one-half times of maximum term and also be liable to fine which shall extend to one-half times of maximum amount of fine.
(2) Rigorous imprisonment for a term which may extend to twice of maximum term and also be liable to fine which shall extend to twice of maximum amount of fine.
(3) Imprisonment for life and a fine which may extend to one lakh rupees
(4) Rigorous imprisonment for a term which shall not be less than ten years, but which may extend to imprisonment for life and also be liable to fine which shall not be less than one lakh rupees but extend up to two lakh rupees

एक व्यक्ति को स्वापक औषधि और मनःप्रभावी पदार्थ अधिनियम, 1985 के अंतर्गत दण्डनीय अपराध के लिए दोषसिद्ध किया जाता है। तत्पश्चात्, उसे पुनः स्वापक औषधि और मनःप्रभावी पदार्थ अधिनियम, 1985 के अंतर्गत दण्डनीय किसी अपराध के लिए दोषसिद्ध किया जाता है। ऐसे मामले में वर्धित दण्ड की सीमा क्या होगी?

(1) कठोर कारावास, जिसकी अवधि कारावास की अधिकतम अवधि के डेढ़ गुणा तक की हो सकेगी और जुर्माने से भी, जो जुर्माने की अधिकतम रकम के डेढ़ गुणा तक हो सकेगा।
(2) कठोर कारावास, जिसकी अवधि कारावास की अधिकतम अवधि का दो गुणा तक की हो सकेगी और जुर्माने से भी, जो जुर्माने की अधिकतम रकम के दो गुणा तक हो सकेगा।
(3) आजीवन कारावास तथा जुर्माना जो एक लाख रुपये तक का हो सकेगा।
(4) कठोर कारावास से जो कम कम दस साल का होगा, किन्तु जो आजीवन कारावास तक का हो सकेगा तथा जुर्माना जो कम से कम एक लाख रुपये होगा, किन्तु दो लाख रुपये तक का हो सकेगा।

69. Under the provisions of Narcotic Drugs and Psychotropic Substances Act, 1985, "Addict" means -

(1) A person who has dependence on any narcotic drug or psychotropic substance

(2) A person who is addicted to any narcotic drug or psychotropic substance

(3) A person who uses any narcotic drug or psychotropic substance

(4) A person who is constantly under the influence of a narcotic drug or psychotropic substance

स्वापक औषधि और मनः प्रभावी पदार्थ अधिनियम, 1985 के अंतर्गत "व्यसनी" से अभिप्रेत है –

(1) ऐसा व्यक्ति जो किसी स्वापक औषधि या मनः प्रभावी पदार्थ पर आश्रित है

(2) ऐसा व्यक्ति जो किसी स्वापक औषधि या मनः प्रभावी पदार्थ का आदी है

(3) ऐसा व्यक्ति जो किसी स्वापक औषधि या मनः प्रभावी पदार्थ का सेवन करता है

(4) ऐसा व्यक्ति जो सदैव किसी स्वापक औषधि या मनः प्रभावी पदार्थ के प्रभाव में रहता है

70. In computing the period of limitation for any suit, the time during which the defendant has been absent from India and from the territories outside India under the administration of Central Government shall .....

(1) be included

(2) have no effect

(3) be excluded

(4) None of the above

किसी वाद के परिसीमा काल की संगणना में उतना समय ..... जिसके दौरान प्रतिवादी भारत से तथा भारत के बाहर उन राज्य क्षेत्रों से जो केन्द्रीय सरकार के प्रशासन के अधीन हैं, अनुपस्थित रहा हो।

(1) अन्तर्विष्ट कर दिया जाएगा

(2) का कोई प्रभाव नहीं होगा

(3) अपवर्जित कर दिया जाएगा

(4) उपरोक्त में से कोई नहीं

71. Which of the following is not an essential condition for the acknowledgement of liability as provided under Section 18 of the Limitation Act, 1963?

(1) Acknowledgement must be before the expiration of the prescribed period for a suit or application.

(2) Acknowledgement of liability in respect of such property or right must have been made in writing signed by the party against whom such property or right is claimed.

(3) A fresh period of limitation shall be computed from the time when the acknowledgement was so signed.

(4) The prescribed period began to run after the defendant did not reply the notice sent by plaintiff even though the notice was sent after the expiration of the prescribed period to institute the suit.

परिसीमा अधिनियम, 1963 की धारा 18 के अंतर्गत निम्न में से कौनसी दायित्व की अभिस्वीकृति की आवश्यक शर्त नहीं है?

(1) अभिस्वीकृति वाद या आवेदन के लिए विहित काल के अवसान से पूर्व होनी चाहिए।

(2) ऐसी सम्पत्ति या अधिकार विषयक दायित्व की अभिस्वीकृति उस पक्षकार के द्वारा जिसके विरुद्ध ऐसे सम्पत्ति या अधिकार का दावा किया गया है, लिखित व हस्ताक्षरित होनी चाहिए।

(3) जब वह अभिस्वीकृति इस प्रकार हस्ताक्षरित की गई थी, एक नया परिसीमा काल संगणित किया जाएगा।

(4) वादी द्वारा भेजे गये नोटिस का प्रतिवादी द्वारा प्रतिउत्तर नहीं देने के पश्चात् से विहित काल का चलना आरम्भ हो जाएगा, यद्यपि नोटिस वाद संस्थित करने की विहित अवधि के अवसान के पश्चात् भेजा गया था।

72. Which of the following is not a "legal disability" under Section 6 of the Limitation Act, 1963?

(1) Minority

(2) Insanity

(3) Idiot

(4) Convicted

परिसीमा अधिनियम, 1963 की धारा 6 के अन्तर्गत निम्न में से कौनसी एक "विधिक निर्योग्यता" नहीं है?

(1) अप्राप्तवयता

(2) पागलपन

(3) जड़

(4) दोषसिद्ध

73. What is the limitation of filing a complaint for an offence punishable under Section 138 of the Negotiable Instruments Act, 1881?

(1) Within one month of the date on which the cause of action arises under Clause (c) of the proviso to Section 138 of the Act of 1881

(2) Within two month of the date on which the cause of action arises under Clause (c) of the proviso to Section 138 of the Act of 1881

(3) Within 45 days of the date on which the cause of action arises under Clause (c) of the proviso to Section 138 of the Act of 1881

(4) Within 15 days of the date on which the cause of action arises under Clause (c) of the proviso to Section 138 of the Act of 1881

परक्राम्य लिखत अधिनियम, 1881 की धारा 138 के अन्तर्गत दण्डनीय अपराध के सम्बन्ध में परिवाद प्रस्तुत करने की परिसीमा अवधि क्या होगी?

(1) उस तारीख से एक माह के अन्दर जब अधिनियम, 1881 की धारा 138 के परन्तुक के खण्ड (ग) के अन्तर्गत वाद हेतुक उत्पन्न हुआ

(2) उस तारीख से दो माह के अन्दर जब अधिनियम, 1881 की धारा 138 के परन्तुक के खण्ड (ग) के अन्तर्गत वाद हेतुक उत्पन्न हुआ

(3) उस तारीख से 45 दिन के अन्दर जब अधिनियम, 1881 की धारा 138 के परन्तुक के खण्ड (ग) के अन्तर्गत वाद हेतुक उत्पन्न हुआ

(4) उस तारीख से 15 दिन के अन्दर जब अधिनियम, 1881 की धारा 138 के परन्तुक के खण्ड (ग) के अन्तर्गत वाद हेतुक उत्पन्न हुआ

74. The amount referred to in Sub-Section (1) of Section 148 of the Negotiable Instruments Act, 1881 shall be deposited within ..... from the date of the order.

(1) 90 days

(2) 60 days

(3) 30 days

(4) 120 days

परक्राम्य लिखत अधिनियम, 1881 की धारा 148 की उपधारा (1) के अधीन निर्दिष्ट रकम आदेश की तारीख से ..... में जमा कराई जाएगी।

(1) 90 दिन

(2) 60 दिन

(3) 30 दिन

(4) 120 दिन

75. In an appeal by the drawer against conviction under Section 138 of the Negotiable Instruments Act, 1881, the Appellate Court may order the appellant to deposit such sum which shall be -

(1) a minimum of twenty percent of the fine or compensation awarded by the trial Court and this shall be in addition to any interim compensation paid by the appellant under Section 143A.

(2) a minimum of twenty five percent of the fine or compensation awarded by the trial Court and this shall be in addition to any interim compensation paid by the appellant under Section 143A.

(3) a minimum of twenty five percent of the fine or compensation awarded by the trial Court, including any interim compensation paid by the appellant under Section 143A.

(4) a minimum of forty percent of the fine or compensation awarded by the trial Court, including any interim compensation paid by the appellant under Section 143A.

परक्राम्य लिखत अधिनियम, 1881 की धारा 138 के अधीन दोषसिद्धि के विरुद्ध लेखीवाल द्वारा की गई अपील में अपीलीय न्यायालय अपीलार्थी को ऐसी राशि जमा कराने का आदेश कर सकेगा –

(1) जो विचारण न्यायालय द्वारा अधिनिर्णित जुर्माना या प्रतिकर के न्यूनतम बीस प्रतिशत होगी और धारा 143क के अधीन अपीलार्थी द्वारा संदत्त किसी भी अंतरिम प्रतिकर के अतिरिक्त होगी।

(2) जो विचारण न्यायालय द्वारा अधिनिर्णित जुर्माना या प्रतिकर के न्यूनतम पच्चीस प्रतिशत होगी और धारा 143क के अधीन अपीलार्थी द्वारा संदत्त किसी भी अंतरिम प्रतिकर के अतिरिक्त होगी।

(3) जो विचारण न्यायालय द्वारा अधिनिर्णित जुर्माना या प्रतिकर के न्यूनतम पच्चीस प्रतिशत होगी और धारा 143क के अधीन अपीलार्थी द्वारा संदत्त किसी भी अंतरिम प्रतिकर को शामिल करते हुए होगी।

(4) जो विचारण न्यायालय द्वारा अधिनिर्णित जुर्माना या प्रतिकर के न्यूनतम चालीस प्रतिशत होगी और धारा 143क के अधीन अपीलार्थी द्वारा संदत्त किसी भी अंतरिम प्रतिकर को शामिल करते हुए होगी।

76. Which of the following officer shall ascertain and determine the extent of all land as Khudkasht and shall record the same as such?

(1) Settlement Officer

(2) Collector

(3) Land Records Officer

(4) Assistant Collector

निम्न में से कौनसा अधिकारी खुदकाश्त की भांति धारण की जाने वाली कुल भूमि का अभिनिश्चयन तथा अवधारण करेगा और उसको उसी तरह दर्ज करेगा?

(1) भू–प्रबंध अधिकारी

(2) कलेक्टर

(3) भू–अभिलेख अधिकारी

(4) सहायक कलेक्टर

77. Where an application for partition shall be made, if the estate is situated in two or more districts in different divisions?

(1) As the Collector may direct.

(2) To the Commissioner of any of such division.

(3) As the State Government by Notification declare.

(4) In one of such districts as the Board may direct.

जब कोई सम्पत्तियां दो या अधिक जिलों में स्थित हों, यदि ऐसे जिले विभिन्न डिविजनों में हों, तो विभाजन के लिए आवेदन कहां प्रस्तुत किया जाएगा?

(1) जैसा कलेक्टर निर्देश दे।

(2) ऐसे किसी भी डिविजन के कमिश्नर को।

(3) जैसा राज्य सरकार अधिसूचना द्वारा घोषित करे।

(4) उस एक जिले में, जैसा बोर्ड निर्देश दे।

78. Any person who without lawful authority extracts or removes minerals from any mine or quarry, the right to which vests in and has not been assigned by the State Government, on the order in writing of the collector to pay a penalty Not exceeding a sum calculated at the rate of -

(1) one hundred rupees per ton of the minerals so extracted or removed.

(2) one hundred rupees per quintal of the minerals so extracted or removed.

(3) fifty rupees per ton of the minerals so extracted or removed.

(4) fifty rupees per quintal of the minerals so extracted or removed.

कोई भी व्यक्ति जो बिना विधिसंगत प्राधिकार के किसी खान या खदान से खनिज पदार्थ निकालता है या हटाता है, जिसका अधिकार राज्य सरकार में निहित है तथा सरकार द्वारा अभिहस्तांकित नहीं किया गया है, कलेक्टर के लिखित आदेश से उक्त निकाले गये या हटाये गये खनिज पदार्थ पर जुर्माना देने के लिए उत्तरदायी होगा –

(1) जो सौ रुपये प्रति टन की दर के हिसाब से अधिक नहीं होगा।

(2) जो सौ रुपये प्रति क्विंटल की दर के हिसाब से अधिक नहीं होगा।

(3) जो पचास रुपये प्रति टन की दर के हिसाब से अधिक नहीं होगा।

(4) जो पचास रुपये प्रति क्विंटल की दर के हिसाब से अधिक नहीं होगा।

79. Where a Revenue Appellate Authority with the consent of the parties and by order refer any dispute before it to arbitration, any party can file application to set aside the award within -

(1) 90 days after the service of the notice of filing the award

(2) 90 days from the date of passing the award

(3) 30 days after the service of the notice of filing the award

(4) 20 days after the service of the notice of filing the award

जहां कि एक राजस्व अपील प्राधिकारी पक्षकारों की सहमति के साथ आदेश द्वारा किसी विवाद को मध्यस्थता के लिए भेजता है, वहां कोई भी पक्षकार पंचाट को रद्द कराने का आवेदन प्रस्तुत कर सकता है –

(1) पंचाट पेश किए जाने के नोटिस की तामील हो जाने के पश्चात् 90 दिन के अन्दर

(2) पंचाट पारित होने की तारीख से 90 दिन के अन्दर

(3) पंचाट पेश किए जाने के नोटिस की तामील हो जाने के पश्चात् 30 दिन के अन्दर

(4) पंचाट पेश किए जाने के नोटिस की तामील हो जाने के पश्चात् 20 दिन के अन्दर

80. Fill in the blank -

In the course of an inquiry into a dispute concerning any boundaries, if it is shown to Land Record Officer that possession has been obtained by wrongful dispossession of the lawful occupants within a period of ..... previous to the commencement of the inquiry the Land Record Officer shall ascertain by summary inquiry who is the party best entitled to possession and shall then fix the boundary accordingly.

(1) one month

(2) three months

(3) six months

(4) one year

रिक्त स्थान की पूर्ति करें –

सीमाओं के सम्बन्ध में विवादों की जाँच के दौरान यदि लैण्ड रिकॉर्ड आफिसर को यह बतलाया जाए कि जाँच के प्रारम्भ होने के पूर्व के ..... भीतर विधि संगत अधिवासियों को सदोष रूप से बेदखल करके कब्जा प्राप्त किया गया है, तो लैण्ड रिकॉर्ड आफिसर सरसरी जाँच द्वारा निश्चय करेगा कि कौन कब्जा पाने का सर्वोत्तम अधिकारी है और तदनुसार सीमा स्थिर करेगा।

(1) एक माह

(2) तीन माह

(3) छः माह

(4) एक वर्ष

81. Which of the following is not a ground of eviction of tenants under the Rajasthan Rent Control Act, 2001?

(1) The tenant has willfully caused substantial damage to the premises.

(2) The landlord requirses the premises to carry out new construction.

(3) The tenant has neither paid nor tendered the amount of rent due from him for four months.

(4) The tenant has assigned, sublet or otherwise partedwith the possession of the whole or part of the premises without the written permission of the landlord.

राजस्थान किराया नियंत्रण अधिनियम, 2001 के अंतर्गत निम्नलिखित में से कौनसा, किरायेदारों की बेदखली का आधार नहीं है?

(1) किरायेदार ने परिसर को जानबूझकर सारवान् नुकसान कारित किया है।

(2) भू–स्वामी को नवीन निर्माण हेतु परिसर की आवश्यकता।

(3) किरायेदार ने उससे शोध्य चार मास के किराये की रकम न तो संदत्त की है, न निविदत्त की है।

(4) किरायेदार ने भू–स्वामी की लिखित अनुज्ञा के बिना सम्पूर्ण परिसर या उसके भाग का कब्जा सौंप दिया है, उपकिराए पर दे दिया है या अन्यथा त्याग दिया है।

82. After the death of a landlord, his widow shall, on a petition being filed in this behalf in the Rent Tribunal, be entitled to recover immediate possession of the residential premises, if the petition is filed by her within -

(1) a period of three months from the date of death of her husband.

(2) a period of six months from the date of death of her husband.

(3) a period of one year from the date of death of her husband

(4) a period of two years from the date of death of her husband.

भू–स्वामी की मृत्यु के पश्चात् उसकी विधवा, किराया अधिकरण में इस निमित्त किसी अर्जी के प्रस्तुत किए जाने पर निवासीय परिसर का तुरन्त कब्जा पुनः प्राप्त करने की हकदार होगी यदि अर्जी उसके द्वारा पेश की जाए –

(1) उसके पति की मृत्यु की तारीख से तीन माह की कालावधि के भीतर।

(2) उसके पति की मृत्यु की तारीख से छः माह की कालावधि के भीतर।

(3) उसके पति की मृत्यु की तारीख से एक वर्ष की कालावधि के भीतर।

(4) उसके पति की मृत्यु की तारीख से दो वर्ष की कालावधि के भीतर।

83. The permission to enter into the limited period tenancy for residential purpose shall not be granted for more than .....

(1) Once for the same premises.

(2) Twice for the same premises.

(3) Three times for the same premises.

(4) Four times for the same premises.

निवासीय प्रयोजनों के लिए सीमित कालावधि की किराएदारी करने की अनुज्ञा ..... से अधिक के लिए नहीं दी जाएगी।

(1) समान परिसर के लिए एक बार

(2) समान परिसर के लिए दो बार

(3) समान परिसर के लिए तीन बार

(4) समान परिसर के लिए चार बार

84. No person shall be eligible to be appointed as Presiding Officer of the Appellate Rent Tribunal unless he is a member of -

(1) Rajasthan Judicial Service not below the rank of Civil Judge (Senior Division).

(2) Rajasthan Judicial Service not below the rank of Civil Judge (Senior Division) having not less than three years' experience as such.

(3) The District Judge Cadre service having not less than two years' experience as such.

(4) The District Judge Cadre service having not less than three years' experience as such.

कोई भी व्यक्ति अपील किराया अधिकरण का पीठासीन अधिकारी नियुक्त होने का पात्र नहीं होगा जब तक कि वह –

(1) सिविल न्यायाधीश (वरिष्ठ खण्ड) से अनिम्न पंक्ति का राजस्थान न्यायिक सेवा का सदस्य न हो।

(2) तीन वर्ष से अन्यून अनुभव रखने वाला सिविल न्यायाधीश (वरिष्ठ खण्ड) से अनिम्न पंक्ति का राजस्थान न्यायिक सेवा का सदस्य न हो।

(3) दो वर्ष से अन्यून अनुभव रखने वाला जिला न्यायाधीश संवर्ग सेवा का सदस्य न हो।

(4) तीन वर्ष से अन्यून अनुभव रखने वाला जिला न्यायाधीश संवर्ग सेवा का सदस्य न हो।

85. The petition for eviction of tenant shall be disposed of within -

(1) A period of one hundred and eighty days from the date of service of notice on the tenant.

(2) A period of two hundred and forty days from the date of service of notice on the tenant.

(3) A period of one year from the date of service of notice on the tenant.

(4) A period of two hundred and seventy days from the date of service of notice on the tenant.

किराएदार की बेदखली के लिए अर्जी का निपटारा किया जाएगा –

(1) किराएदार को नोटिस की तामील की तारीख से एक सौ अस्सी दिन की कालावधि के भीतर।

(2) किराएदार को नोटिस की तामील की तारीख से दो सौ चालीस दिन की कालावधि के भीतर।

(3) किराएदार को नोटिस की तामील की तारीख से एक वर्ष की कालावधि के भीतर।

(4) किराएदार को नोटिस की तामील की तारीख से दो सौ सत्तर दिन की कालावधि के भीतर।

86. Where, before or after the commencement of the Hindu Succession Act, 1956, a Hindu has ceased or ceases to be a Hindu by conversion to another religion -

(1) The convert is disqualified from inheriting the property.

(2) Children born to him or her after such conversion and their descendants shall be disqualified from inheriting the property of any of their Hindu relatives.

(3) Parents of the convert are disqualified from inheriting the property.

(4) All the above are correct

जहां कि कोई हिन्दू, हिन्दू उत्तराधिकार अधिनियम, 1956 के प्रारम्भ के पूर्व या पश्चात् धर्म–संपरिवर्तन के कारण हिन्दू ना रह गया हो या ना रहे –

(1) संपरिवर्तित सम्पत्ति को विरासत में प्राप्त करने से निरर्हित होगा।

(2) संपरिवर्तन के पश्चात् पैदा हुए उसके अपत्य और उस अपत्य के वंशज अपने हिन्दू सम्बन्धियों में से किसी की सम्पत्ति को विरासत में प्राप्त करने से निरर्हित होंगे।

(3) संपरिवर्तित के माता–पिता सम्पत्ति को विरासत में प्राप्त करने से निरर्हित होंगे।

(4) उपरोक्त सभी सही हैं

87. Under which of the following grounds mentioned in section 13 of the Hindu Marriage Act, 1955, the court on a petition for decree of divorce, may, if it considers it just so to do, pass instead the decree for judicial separation?

(1) Has ceased to be a Hindu by conversion to another religion.

(2) Has renounced the world by entering any religious order.

(3) Has been suffering from venereal disease in a communicable form.

(4) Has not been heard of as being alive for a period of seven years or more by those persons who would naturally have heard of it, had that party been alive.

हिन्दू विवाह अधिनियम, 1955 की धारा 13 में वर्णित निम्न में से किन आधारों पर न्यायालय यदि यह न्यायसंगत समझता है तो वह विवाह विच्छेद की डिक्री की अर्जी पर न्यायिक पृथक्करण के लिए डिक्री पारित कर सकेगा?

(1) अन्य धर्म से संपरिवर्तित हो जाने के कारण हिन्दू नहीं रह गया है।

(2) किसी धार्मिक पंथ के अनुसार प्रब्रज्या ग्रहण कर चुका है।

(3) संचारी रूप से रतिज रोग से पीड़ित रहा है।

(4) जीवित है या नहीं इसके बारे में सात वर्ष या उससे अधिक की कालावधि के भीतर उन्होंने कुछ नहीं सुना है जिन्होंने उसके बारे में यदि वह पक्षकार जीवित होता तो स्वाभाविकतः सुना होता।

88. Which of the following is not a ground of divorce under Section 13 of the Hindu Marriage Act, 1955?

(1) Has deserted the petitioner for a continuous period of not less than two years immediately preceding the presentation of the petition.

(2) Has ceased to be a Hindu by conversion to another religion.

(3) Has renounced the world by entering any religious order.

(4) The respondent was at the time of the marriage pregnant by some person other than the petitioner.

हिन्दू विवाह अधिनियम, 1955 की धारा 13 के अन्तर्गत निम्न में से कौनसा विवाह विच्छेद का आधार नहीं है?

(1) अर्जी प्रस्तुत करने के अव्यवहित पूर्व कम से कम दो वर्ष की निरन्तर कालावधि से अर्जीदार को अभित्यक्त कर रखा है।

(2) अन्य धर्म से संपरिवर्तित हो जाने के कारण हिन्दू नहीं रह गया है।

(3) किसी धार्मिक पंथ के अनुसार प्रब्रज्या ग्रहण कर चुका है।

(4) उत्तरदाता, विवाह के समय अर्जीदार से भिन्न व्यक्ति से गर्भवती थी।

89. Which of the following is not a class I heir of male Hindu dying intestate?

(1) Widow

(2) Daughter of a pre-deceased daughter

(3) Widow of a pre-deceased son of a pre-deceased son

(4) Son's daughter's son

निम्न में से कौन एक निर्वसीयती हिन्दू पुरूष का वर्ग 1 का वारिस नहीं है?

(1) विधवा

(2) पूर्व मृतपुत्री की पुत्री

(3) पूर्वमृत पुत्र के पूर्वमृत पुत्र की विधवा

(4) पुत्र की पुत्री का पुत्र

90. If the adoption is by a female and the person to be adopted is a male, the adoptive mother must be at least -

(1) Fifteen years older than the person to be adopted.

(2) Eighteen years older than the person to be adopted.

(3) Twenty-one years older than the person to be adopted.

(4) Twelve years older than the person to be adopted.

यदि दत्तक किसी नारी द्वारा लिया जाना है और दत्तक लिया जाने वाला व्यक्ति पुरुष है, तो दत्तक माता कम से कम –

(1) दत्तक लिए जाने वाले व्यक्ति से आयु में पन्द्रह वर्ष बड़ी होनी चाहिए।

(2) दत्तक लिए जाने वाले व्यक्ति से आयु में अठारह वर्ष बड़ी होनी चाहिए।

(3) दत्तक लिए जाने वाले व्यक्ति से आयु में इक्कीस वर्ष बड़ी होनी चाहिए।

(4) दत्तक लिए जाने वाले व्यक्ति से आयु में बारह वर्ष बड़ी होनी चाहिए।

91. Among the heirs specified in class II of the schedule to Hindu Succession Act, 1956 shall -

(1) Take simultaneously and to the exclusion of all other heirs.

(2) Those in first entry in class II shall be preferred to those in the second entry and so on in succession.

(3) All the heirs in class I & II take simultaneously.

(4) The first heir in any entry of class II will take all to the exclusion of other heirs.

हिन्दू उत्तराधिकार अधिनियम, 1956 की अनुसूची में के वर्ग 2 के वारिस –

(1) एक साथ अन्य सब वारिसों का अपवर्जन करते हुए अंशभागी होंगे।

(2) वर्ग में के पहली प्रविष्टि में के वारिसों को दूसरी प्रवष्टि में के वारिसों की अपेक्षा अधिमान प्राप्त होगा।

(3) वर्ग 1 एवं 2 के सभी वारिस एक साथ अंशभागी होंगे।

(4) वर्ग 2 की किसी भी प्रविष्टि के प्रथम वारिस को, अन्य सभी वारिसों का अपवर्जन करते हुए सम्पूर्ण अंश प्राप्त होगा

92. An adopted child shall be deemed to be the child of his or her adoptive father or mother for all purposes with effect from the date of the adoption and from such date all the ties of the child in the family of his or her birth shall be deemed to be severed and replaced by those created by the adoption in the adoptive family.

Which of the following statement is incorrect?

(1) The child cannot marry any person whom he or she could not have married if he or she had continued in the family of his or her birth.

(2) Any property which vested in the adopted child before the adoption shall continue to vest in such person subject to the obligations, if any attaching to the ownership of such property, including the obligation to maintain relatives in the family of his or her birth.

(3) Any property which vested in the adopted child before the adoption shall continue to vest in such person subject to the obligations, if any. But there is no obligation to maintain relatives in the family of his or her birth.

(4) The adoptive child shall not divest any person of any estate which vested in him or her before the adoption.

दत्तक की तारीख से, समस्त प्रयोजनों के लिए अपने दत्तक पिता या माता का अपत्य समझा जाएगा और ऐसी तारीख से यह समझा जाएगा कि उस अपत्य के अपने जन्म के कुटुम्ब के समस्त बन्धन टूट गये हैं और उनका स्थान उन बन्धनों ने ले लिया है, जो दत्तक कुटुम्ब में दत्तक के कारण सृजित हुए हों।
निम्न में से कौनसा कथन सही नहीं है?

(1) वह अपत्य किसी ऐसे व्यक्ति से विवाह नहीं कर सकेगा जिससे कि यदि वह अपने जन्म के कुटुम्ब में ही बना रहा होता जो वह विवाह ना कर सकता था।

(2) कोई भी सम्पत्ति जो दत्तक अपत्य में दत्तक के पूर्व निहित थी, ऐसी सम्पत्ति के स्वामित्व से संलग्न बाध्यताओं के, यदि कोई हो, अध्यधीन, जिनके अंतर्गत उसके जन्म के कुटुम्ब में के नातेदारों का भरण पोषण करने की बाध्यता भी आती है, ऐसे व्यक्ति में निहित बनी रहेगी।

(3) कोई भी सम्पत्ति जो दत्तक अपत्य में दत्तक के पूर्व निहित थी, ऐसी सम्पत्ति के स्वामित्व से संलग्न बाध्यताओं के, यदि कोई हो, अध्यधीन, ऐसे व्यक्ति में निहित बनी रहेगी परन्तु उसके जन्म के कुटुम्ब में के नातेदारों का भरण पोषण करने की बाध्यता नहीं होगी।

(4) दत्तक अपत्य किसी व्यक्ति को उस सम्पदा से निर्निहित नहीं करेगा जो उस व्यक्ति में दत्तक के पूर्व निहित हो गई है।

93. According to the provisions of Scheduled Castes and the Scheduled Tribe (Prevention of Atrocities) Act, 1989, "Atrocity" means -

(1) An offence punishable under Section 3

(2) An offence punishable under the Act

(3) An offence punishable under the Act including the offences of Indian Penal Code, 1860 as mentioned in the Schedule

(4) An offence punishable under Section 3, 5, 7 & 13 of the Act

अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 के प्रावधानों के अनुसार "अत्याचार" से तात्पर्य है –

(1) धारा 3 के अंतर्गत दण्डनीय अपराध

(2) अधिनियम के अंतर्गत दण्डनीय एक अपराध

(3) अधिनियम के अंतर्गत दण्डनीय एक अपराध जिसमें भारतीय दण्ड संहिता, 1860 की अनुसूची में वर्णित अपराध शामिल हैं

(4) अधिनियम की धारा 3, 5, 7 एवं 13 के अंतर्गत दण्डनीय अपराध

94. According to the provisions of the Scheduled Castes and Scheduled Tribe (Prevention of Atrocities) Act, 1989, "dependent" means -

(1) The spouse, children, parents, brother and sister of the victim, who are dependent wholly or mainly on the victim for his support and maintenance.

(2) The spouse, children, parents, grandparent, brother and sister of the victim, who are dependent wholly or mainly on the victim for his support and maintenance.

(3) The spouse, children, parents, grandparents, maternal grandparents, brother and sister of the victim, who are dependent wholly or mainly on the victim for his support and maintenance.

(4) The spouse, children, parents, grandchildren, brother and sister of the victim, who are dependent wholly or mainly on the victim for his support and maintenance.

अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 के प्रावधानों के अनुसार "आश्रित" से –

(1) पीड़ित का ऐसा पति या पत्नी, बालक, माता–पिता, भाई और बहिन अभिप्रेत है जो ऐसे पीड़ित पर अपनी सहायता और भरणपोषण के लिए पूर्णतः या मुख्यतः आश्रित हैं।

(2) पीड़ित का ऐसा पति या पत्नी, बालक, माता–पिता, दादा–दादी, भाई और बहिन अभिप्रेत है जो ऐसे पीड़ित पर अपनी सहायता और भरणपोषण के लिए पूर्णतः या मुख्यतः आश्रित हैं।

(3) पीड़ित का ऐसा पति या पत्नी, बालक, माता–पिता, दादा–दादी, नाना–नानी, भाई और बहिन अभिप्रेत है जो ऐसे पीड़ित पर अपनी सहायता और भरणपोषण के लिए पूर्णतः या मुख्यतः आश्रित हैं।

(4) पीड़ित का ऐसा पति या पत्नी, बालक, माता–पिता, पोता–पोती, भाई और बहिन अभिप्रेत है जो ऐसे पीड़ित पर अपनी सहायता और भरणपोषण के लिए पूर्णतः या मुख्यतः आश्रित हैं।

95. Which amongst the following is not correct with reference to Clause (f) & (g) of Section 3 of Scheduled Castes and the Scheduled Tribes (Prevention of Atrocities) Act, 1989?

Expression "wrongfully" includes -

(1) against the person's will

(2) without the person's consent

(3) with the person's consent, where such consent has been obtained by putting the person, or any other person in whom the person is interested in fear of instant wrongful restraint

(4) fabricating records of such land

अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 की धारा 3 के खण्ड (च) और (छ) के संदर्भ में निम्न में से कौनसा कथन सही नहीं है?

पद "सदोष" में सम्मिलित है –

(1) व्यक्ति की इच्छा के विरुद्ध

(2) व्यक्ति की सहमति के बिना

(3) व्यक्ति की सहमति से, जबकि ऐसी सहमति उस व्यक्ति को अन्य किसी व्यक्ति को, जिससे वह व्यक्ति हितबद्ध है, तुरन्त सदोष परिरोध का भय दिखाकर अभिप्राप्त की गई है

(4) ऐसी भूमि के अभिलेखों को बनाना

96. Where a person accepts compensation under Section 164 of Motor Vehicles Act, 1988 in accordance with the procedure provided under Section 149 of the Act of 1988, his claim petitions before the Claims Tribunal -

(1) Shall be survived till final decision with regard to all the claimants.

(2) Shall be survived till final decision of appeal/revision, if any.

(3) Shall lapse.

(4) Shall lapse, if Claims Tribunal pass any such order otherwise it remains survived till final decision with regard to all the claimants.

जहां एक व्यक्ति मोटर यान अधिनियम, 1988 की धारा 164 के अन्तर्गत, अधिनियम, 1988 की धारा 149 में प्रदत्त प्रक्रिया के अनुसार, प्रतिकर स्वीकार कर लेता है, उसकी क्लेम याचिका दावा अधिकरण के समक्ष–

(1) सभी दावेदारों के सम्बन्ध में अंतिम निर्णय तक जारी रहेगी।

(2) अपील/पुनरीक्षण, यदि कोई हो के अंतिम निर्णय तक जारी रहेगी।

(3) व्यपगत हो जाएगी।

(4) यदि दावा अधिकरण ऐसा आदेश पारित करता है तो व्यपगत हो जाएगी अन्यथा सभी दावेदारों के सम्बन्ध में अंतिम निर्णय तक जारी रहेगी।

97. The limitation for filing an application for compensation under the Motor Vehicles Act, 1988 is -

(1) Six months

(2) One year

(3) Three years

(4) No period of limitation is prescribed

मोटर यान अधिनियम, 1988 के अन्तर्गत प्रतिकर का आवेदन प्रस्तुत करने की परिसीमा है –

(1) छः माह

(2) एक वर्ष

(3) तीन वर्ष

(4) कोई परिसीमा अवधि विहित नहीं है

98. If the Claims Tribunal while adjudicating upon any claim for compensation under the Motor Vehicles Act, 1988, satisfied for reasons to be recorded by it in writing that the policy of insurance is void on the ground that it was obtained by representation of fact which was false in any material particular, then, what is the limit of the special cost by way of compensation that may be ordered to be paid by the party who is guilty of misrepresentation to the insurer?

(1) Any amount not exceeding one thousand rupees

(2) Any amount not exceeding five thousand rupees

(3) Any amount not exceeding ten thousand rupees

(4) Any amount, which the Tribunal finds reasonable but should not be excessive

मोटर यान अधिनियम, 1988 के अन्तर्गत प्रतिकर हेतु किसी दावे में प्रतिकर अधिनिर्णित करते समय यदि दावा अधिकरण अभिलिखित किए गये कारणों से संतुष्ट है कि बीमा पॉलिसी किसी सारभूत तथ्य के सम्बन्ध में मिथ्या तथ्य प्रस्तुत किए जाने से शून्य थी, तो उस दशा में पक्षकार जो बीमा के सम्बन्ध में दुर्व्यपदेशन का दोषी है, प्रतिकर के रूप में विशेष हर्जाने की सीमा क्या है?

(1) एक हजार रुपये से अनधिक कोई राशि

(2) पांच हजार रुपये से अनधिक कोई राशि

(3) दस हजार रुपये से अनधिक कोई राशि

(4) ऐसी राशि जो अधिकरण युक्तियुक्त पाता है परन्तु अत्यधिक नही होगी।

99. Which of the following statement is correct with regard to an application for compensation under section 166 of the Motor Vehicles Act, 1988?

(1) It shall be made at the option of the insurance company, either to the Claims Tribunal having jurisdiction over the area in which the accident occurred or to the Claims Tribunal within the local limits of whose jurisdiction the claimant resides or carries on business or within the local limits of whose jurisdiction the defendant resides, and shall be in such form and contain such particulars as may be.

(2) It shall be made at the option of the claimant, either to the Claims Tribunal having jurisdiction over the area in which the accident occurred or to the Claims Tribunal within the local limits of whose jurisdiction the claimant resides or carries on business or within the local limits of whose jurisdiction the defendant resides, and shall be in such form and contain such particulars as may be.

(3) It shall be made at the option of the claimant, either to the Claims Tribunal having jurisdiction over the area in which the accident occurred or to the Claims Tribunal within the local limits of whose jurisdiction the claimant resides or carries on business as may be.

(4) It shall be made at the option of the claimant, to the Claims Tribunal having jurisdiction over the area in which the accident occurred.

मोटर यान अधिनियम, 1988 की धारा 166 के अन्तर्गत प्रतिकर हेतु आवेदन के सम्बन्ध में निम्न में से कौनसा कथन सही है?

(1) यह बीमा कम्पनी के विकल्प पर या तो जिस स्थान पर दुर्घटना कारित हुई है, पर क्षेत्राधिकार रखने वाले दावा अधिकरण में या जहां आवेदक निवास करता है या अपना कारोबार करता है या जिसके स्थानीय क्षेत्राधिकार में प्रतिवादी निवास करता है, पर क्षेत्राधिकार करने वाले दावा अधिकरण में विहित प्रारूप में व विवरणियों के साथ प्रस्तुत की जाएगी

(2) यह दावेदार के विकल्प पर या तो जिस स्थान पर दुर्घटना कारित हुई है, पर क्षेत्राधिकार रखने वाले दावा अधिकरण में या जहां आवेदक निवास करता है या अपना कारोबार करता है या जिसके स्थानीय क्षेत्राधिकार में प्रतिवादी निवास करता है, पर क्षेत्राधिकार करने वाले दावा अधिकरण में विहित प्रारूप में व विवरणियों के साथ प्रस्तुत की जाएगी

(3) यह दावेदार के विकल्प पर या तो जिस स्थान पर दुर्घटना कारित हुई है, पर क्षेत्राधिकार रखने वाले दावा अधिकरण में या जहां आवेदक निवास करता है या अपना कारोबार करता है, में प्रस्तुत की जाएगी।

(4) यह दावेदार के विकल्प पर, जिस स्थान पर दुर्घटना कारित हुई है, पर क्षेत्राधिकार रखने वाले दावा अधिकरण में प्रस्तुत की जाएगी।

100. The Inspector General of Stamp shall not exercise the power of revision suo-moto or otherwise after the expiry of -

(1) A period of one year from the date on which the order sought to be revised was passed.

(2) A period of two years from the date on which the order sought to be revised was passed.

(3) A period of five years from the date on which the order sought to be revised was passed.

(4) A period of ninety days from the date on which the order sought to be revised was passed.

महानिरीक्षक स्टाम्प पुनरीक्षण की शाक्तियों का प्रयोग स्वतः अथवा अन्यथा नहीं करेगा –

(1) पुनरीक्षण किए जाने के ईप्सित आदेश के पारित किए जाने की तारीख से एक वर्ष की कालावधि के पश्चात।

(2) पुनरीक्षण किए जाने के ईप्सित आदेश के पारित किए जाने की तारीख से दो वर्ष की कालावधि के पश्चात।

(3) पुनरीक्षण किए जाने के ईप्सित आदेश के पारित किए जाने की तारीख से पांच वर्ष की कालावधि के पश्चात।

(4) पुनरीक्षण किए जाने के ईप्सित आदेश के पारित किए जाने की तारीख से नब्बे दिन की कालावधि के पश्चात।

101. Which of following document does not require compulsory registration?

(1) Instruments of gift of immovable property

(2) Lease of immovable property from year to year, or for any term exceeding one year, or reserving a yearly rent

(3) Wills

(4) Non-testamentary instruments, which acknowledge the receipt or payment of any consideration on account of the creation, declaration, assignment, limitation or extinction of any such right, title or interest

निम्न में से कौनसे दस्तावेज का रजिस्ट्रीकरण अनिवार्य नहीं है?

(1) स्थावर सम्पत्ति के दान की लिखत

(2) वर्षानुवर्ष या एक वर्ष से अधिक की किसी अवधि के लिए या वार्षिक भाटक को आरक्षित रखने वाले स्थावर सम्पत्ति के पट्टे

(3) वसीयत

(4) ऐसी निर्वसीयती लिखत, जो ऐसे किसी अधिकार, हक या हित के सृजन, घोषणा, समनुदेशन, परिसीमन या निर्वापन के लेखे किसी प्रतिफल की प्राप्ति या संदाय अभिस्वीकार करती हो

102. In a suit, where the prayer is for a declaration with reference to any property and no consequential relief is prayed for, fee shall be computed -

(1) On one-half of the market value of the property, subject to a minimum fee of twenty-five rupees.

(2) On the amount at which the relief sought is valued in the plaint, subject to a minimum fee of forty rupees.

(3) On the market value of the property, subject to a minimum fee of twenty rupees.

(4) On one-half of the value of the suit property.

एक वाद में, जहां प्रार्थना किसी भी सम्पत्ति के संदर्भ में घोषणा के लिए हो और किसी पारिणामिक अनुतोष के लिए कोई प्रार्थना नहीं की गई हो, वहां फीस संगणित होगी –

(1) सम्पत्ति के बाजार मूल्य के आधे पर और वह पच्चीस रुपये से कम नहीं होगी।

(2) वाद पत्र में चाहे गये अनुतोष के मूल्यांकन की रकम पर और वह चालीस रुपये से कम नहीं होगी।

(3) सम्पत्ति के बाजार मूल्य पर और वह बीस रुपये से कम नहीं होगी।

(4) वाद सम्पत्ति के मूल्य के आधे पर।

103. When a Sub-Registrar has refused to register a document on the ground that any person by whom it purports to be executed, or his representative or assign, denies its execution, any person claiming under such document or his representative, assign or agent authorized as aforesaid may -

(1) Appeal to Registrar to whom such Sub-Registrar is subordinate.

(2) Appeal to Collector of the District in which the document is to be registered.

(3) Apply to the Registrar to whom such Sub-Registrar is subordinate.

(4) Institute a suit in Civil Court, within the local limits of whose original jurisdiction the office in which the document is sought to be registered is situated.

जबकि उप–रजिस्ट्रार ने दस्तावेज का रजिस्ट्रीकरण करने से इस आधार पर इन्कार किया है कि ऐसे किसी व्यक्ति ने, जिसकी बाबत यह तात्पर्यित है कि वह उसके द्वारा निष्पादित की गई है या उसके प्रतिनिधि या समनुदेशिती ने उसके निष्पादन का प्रत्याख्यान किया है, तब ऐसे दस्तावेज के अधीन दावा करने वाला कोई भी व्यक्ति या उसका प्रतिनिधि समनुदेशिती या पुवोक्त जैसा प्राधिकृत अभिकर्ता इन्कारी के आदेश के किए जाने के पश्चात –

(1) उस रजिस्ट्रार से, जिसके ऐसा उप–रजिस्ट्रार अधीनस्थ है, अपील कर सकेगा।

(2) जहां दस्तावेज रजिस्ट्रीकृत होना है, उस जिले के कलक्टर को अपील कर सकेगा।

(3) उस रजिस्ट्रार से, जिसके ऐसा उप–रजिस्ट्रार अधीनस्थ है, आवेदन कर सकेगा।

(4) सिविल न्यायालय जिसके मूल क्षेत्राधिकार की स्थानीय सीमाओं में वह कार्यालय जहां दस्तावेज पंजीकृत होना है, स्थित है, में वाद संस्थित कर सकेगा।

104. In a suit for partition and separate possession of a share in joint family property by a plaintiff who has been excluded from possession of such property, fee shall be computed on the -

(1) Half of the market value of the plaintiff's share of the property.

(2) Market value of the plaintiff's share of the property.

(3) Half of the market value of the plaintiff's share of the property subject to maximum of fifty thousand rupees.

(4) Amount mentioned in the title deed.

अविभक्त कुटुम्ब की सम्पत्ति के विभाजन तथा हिस्से के पृथक कब्जे के लिए ऐसे वादी द्वारा जिसे ऐसी सम्पत्ति पर कब्जे से अपवर्जित कर दिया गया है, एक वाद में फीस की संगणना होगी –

(1) सम्पत्ति में वादी के हिस्से के बाजार मूल्य के आधे पर।

(2) सम्पत्ति में वादी के हिस्से के बाजार मूल्य पर।

(3) सम्पत्ति में वादी के हिस्से के बाजार मूल्य के आधे पर और वह अधिकतम पचास हजार रुपये होगी।

(4) स्वत्व विलेख में अंकित मूल्य पर।

105. Every instrument executed out of the State related to any property situated in the State of Rajasthan shall be produced within three months from the date of its execution before the -

(1) Sub-Registrar within whose jurisdiction property is situated

(2) Registrar within whose jurisdiction property is situated

(3) Tehsildar within whose jurisdiction property is situated

(4) Collector within whose jurisdiction property is situated

राजस्थान राज्य में स्थित किसी सम्पत्ति के संबन्ध में राज्य से बाहर निष्पादित प्रत्येक लिखत इसके निष्पादन की तारीख से तीन माह के भीतर प्रस्तुत की जाएगी –

(1) सब–रजिस्ट्रार जिसके क्षेत्राधिकार में सम्पत्ति स्थित है, के समक्ष

(2) रजिस्ट्रार जिसके क्षेत्राधिकार में सम्पत्ति स्थित है, के समक्ष

(3) तहसीलदार जिसके क्षेत्राधिकार में सम्पत्ति स्थित है, के समक्ष

(4) कलेक्टर जिसके क्षेत्राधिकार में सम्पत्ति स्थित है, के समक्ष

106. John Hopfield and Geoffrey Hinton have been awarded 2024 Nobel Prize in Physics for their contribution in .....

(1) Physical modelling of Earth's climate

(2) Machine learning with artificial neutral networks

(3) The interplay of disorder and fluctuations in physical systems

(4) Research on electrons in flashes of light

जॉन हॉपफील्ड तथा जेफ्री हिंटन को 2024 में भौतिकी में नोबल पुरस्कार उनके ..... में योगदान के लिए दिया गया है।

(1) पृथ्वी की जलवायु की भौतिक मॉडलिंग

(2) कृत्रिम तंत्रिका नेटवर्क के साथ मशीन लर्निंग

(3) भौतिक प्रणालियों में विकार और उतार–चढ़ाव की परस्पर क्रिया

(4) प्रकाश की चमक में इलेक्ट्रॉनों पर शोध

107. "Amrita Devi Fair" is organized in which of the following district?

(1) Nagaur, Rajasthan

(2) Udaipur, Rajasthan

(3) Jodhpur, Rajasthan

(4) Barmer, Rajasthan

"अमृता देवी मेला" निम्न में से किस जिले में आयोजित किया जाता है?

(1) नागौर, राजस्थान

(2) उदयपुर, राजस्थान

(3) जोधपुर, राजस्थान

(4) बाड़मेर, राजस्थान

108. How many Indian States share their border with Rajasthan?

(1) 7

(2) 5

(3) 6

(4) 8

कितने भारतीय राज्य राजस्थान से अपनी सीमा साझा करते हैं?

(1) 7

(2) 5

(3) 6

(4) 8

109. Which are the 05 basic Vowels in English?

(1) a, e, i, o, w

(2) a, e, i, u, w

(3) a, e, i, o, y

(4) a, e, i, o, u

अंग्रेजी में 05 बेसिक स्वर कौनसे हैं?

(1) a, e, i, o, w

(2) a, e, i, u, w

(3) a, e, i, o, y

(4) a, e, i, o, u

110. Which of the following is not an artificial intelligence tool?

(1) Chat GPT

(2) Gemini

(3) Internet of Things

(4) Chatbot

निम्न में से कौनसा एक ऑर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टूल नहीं है?

(1) चैट जीपीटी

(2) जैमिनी

(3) इन्टरनेट ऑफ थिंग्स

(4) चैटबोट

111. Tungsten is not found in which of the following place?

(1) Degana, District Nagaur

(2) Shiv, District Barmer

(3) Balda, District Sirohi

(4) Udwariya, District Sirohi

निम्न में से किस स्थान पर टंग्स्टन नहीं पाया जाता है?

(1) डेगाना, जिला नागौर

(2) शिव, जिला बाड़मेर

(3) बाल्दा, जिला सिरोही

(4) उद्वारिया, जिला सिरोही

112. "Atal Tunnel" is situated in which of the following state?

(1) Uttarakhand

(2) Jammu & Kashmir

(3) Himachal Pradesh

(4) Punjab

"अटल टनल" निम्न में से किस राज्य में स्थित है?

(1) उत्तराखण्ड

(2) जम्मू एण्ड कश्मीर

(3) हिमाचल प्रदेश

(4) पंजाब

113. Which of the following statements are not correct with regard to Aravali Range?

1. The Aravalli Range is a mountain range in Northern-Western India.
2. Aravali Range is running approximately 670 km in the south-west direction, which is starting near Delhi, passing through southern Haryana, Rajasthan, Gujarat, Maharashtra and ending in Goa.
3. It's highest peak is Guru Shikhar in Ahmedabad.
4. The Aravalli Range is rich in natural resources.

(1) 1, 2, 3 & 4

(2) 1 & 4

(3) 3 & 4

(4) 2 & 3

अरावली रेंज के संदर्भ में निम्न में से कौनसे कथन सही नहीं हैं?

1. अरावली रेंज उत्तरी–पश्चिमी भारत की एक पर्वत श्रृंखला है।
2. अरावली रेंज दक्षिण–पश्चिम दिशा में करीब 670 किलोमीटर में विस्तृत है, जो दिल्ली के पास से प्रारम्भ होकर दक्षिणी हरियाणा, राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र से होते हुए गोवा में समाप्त होती है।
3. इसकी सर्वोत्तम चोटी अहमदाबाद में गुरूशिखर है।
4. अरावली पर्वत–श्रृंखला, प्राकृतिक संसाधनों से संपन्न है।

(1) 1, 2, 3 एवं 4

(2) 1 एवं 4

(3) 3 एवं 4

(4) 2 एवं 3

114. Who authored "Roses in December"?

(1) Sh. M. C. Chagla

(2) Sh. Nani Palkhivala

(3) Sh. Hansraj Khanna

(4) Sh. Fali S Nariman

"रोज़ेज इन दिसम्बर" के लेखक कौन हैं?

(1) श्री एम. सी. छागला

(2) श्री नानी पालकीवाला

(3) श्री हंसराज खन्ना

(4) श्री फली एस नरीमन

115. Recently, Rajasthan High Court has celebrated ..... of its establishment.

(1) Golden Jubilee

(2) Diamond Jubilee

(3) Platinum Jubilee

(4) Silver Jubilee

हाल ही में, राजस्थान उच्च न्यायालय ने अपनी स्थापना की ..... मनाई है।

(1) स्वर्ण जयंती

(2) हीरक जयंती

(3) प्लैटिनम जयंती

(4) रजत जयंती

116. "UPI" commonly used for online payments stands for -

(1) Uniform Payment Interface

(2) Ultra Patent Instructions

(3) United Payment Instruction

(4) Unified Payments Interface

ऑनलाइन भुगतान के लिए सामान्यतः प्रयोग किए जाने वाले "UPI" से तात्पर्य है –

(1) Uniform Payment Interface

(2) Ultra Patent Instructions

(3) United Payment Instruction

(4) Unified Payments Interface

117. The place, where Chandrayaan-3 rover landed on the moon, is named as -

(1) Statio Dhruv or Dhruv Shakti Point

(2) Statio Shiv Shakti or Shiv Shakti Point

(3) Statio Saptarishi or Saptarishi Shakti Point

(4) Statio Pragyan or Pragyan Shakti Point

स्थान, जहां चन्द्रमा पर चन्द्रयान–3 रोवर उतरा था, का नाम रखा गया है –

(1) स्टेशियो ध्रुव या ध्रुव शक्ति पॉइन्ट

(2) स्टेशियो शिव शक्ति या शिव शक्ति पॉइन्ट

(3) स्टेशियो सप्तऋषि या सप्तऋषि शक्ति पॉइन्ट

(4) स्टेशियो प्रज्ञान या प्रज्ञान शक्ति पॉइन्ट

118. Who amongst the following has been conferred the National Lokmanya Tilak Award 2024?

(1) Sh. Narendra Modi

(2) Sh. Cyrus Poonawalla

(3) Sh. Tessy Thomas

(4) Smt. Sudha Murty

निम्न में से किसे राष्ट्रीय लोकमान्य तिलक पुरस्कार, 2024 प्रदान किया गया?

(1) श्री नरेन्द्र मोदी

(2) श्री सायरस पूनावाला

(3) श्री टैसी थोमस

(4) श्रीमती सुधा मूर्ति

119. Which one of the following options is correct with regard to the performance of India in the Paris Olympic, 2024?

(1) Gold-00, Silver-02, Bronze-05

(2) Gold-00, Silver-01, Bronze-05

(3) Gold-00, Silver-01, Bronze-06

(4) Gold-01, Silver-01, Bronze-04

निम्नलिखित में से कौनसा विकल्प पेरिस ओलम्पिक, 2024 में भारत के प्रदर्शन के सन्दर्भ में सही है?

(1) स्वर्ण–00, रजत–02, कांस्य–05

(2) स्वर्ण–00, रजत–01, कांस्य–05

(3) स्वर्ण–00, रजत–01, कांस्य–06

(4) स्वर्ण–01, रजत–01, कांस्य–04

120. Which of the following is the "State Tree" of Rajasthan?

(1) Rohida (Tecomella Undulata)

(2) Khejri (Prosopis Cineraria)

(3) Jaal (Salvadora Oleoides)

(4) Karanj (Millettia Pinnata)

निम्न में से कौनसा राजस्थान का "राज्य वृक्ष" है?

(1) रोहिडा (Tecomella Undulata)

(2) खेजड़ी (Prosopis Cineraria)

(3) जाल (Salvadora Oleoides)

(4) करंन्ज (Millettia Pinnata)

121. Which of the following legal maxim means, "He who does anything by another does it himself"?

(1) Qui facit per alium facit per se

(2) Qui approbat non reprobat

(3) Quidcquid plantatur solo solo cedit

(4) Quilibet potest renunciare juri pro se inducto

निम्न में से किस विधिक सूत्र का तात्पर्य है, "जो कोई भी किसी अन्य के द्वारा कुछ कराता है, वह स्वयं ही करता है"?

(1) Qui facit per alium facit per se

(2) Qui approbat non reprobat

(3) Quidcquid plantatur solo solo cedit

(4) Quilibet potest renunciare juri pro se inducto

122. Which of the following legal maxim means, "Return everything to the state as it was before"?

(1) Resignatio est juris propii spontanea refutation

(2) Restitutio in integrum

(3) Res judicata pro veritate occipitur

(4) Res ipsa loquitur

निम्न में से किस विधिक सूत्र का तात्पर्य है, "सब कुछ राज्य को उसी स्थिति में वापस करो जैसे वह पहले था"?

(1) Resignatio est juris propii spontanea refutation

(2) Restitutio in integrum

(3) Res judicata pro veritate occipitur

(4) Res ipsa loquitur

123. Which of the following legal maxim means, "A party who allege the contrary is not to be heard"?

(1) Allegans suam turpitudimem non est audiendus

(2) Allegans contraria non est audiendus

(3) Actus curiae neminem gravabit

(4) Actus non facit reum nisi mens sit rea

निम्न में से किस विधिक सूत्र का तात्पर्य है, "एक पक्षकार को जो विपरीत कथन करता है, सुना नहीं जाना चाहिए"?

(1) Allegans suam turpitudimem non est audiendus

(2) Allegans contraria non est audiendus

(3) Actus curiae neminem gravabit

(4) Actus non facit reum nisi mens sit rea

124. Which of the following legal maxim means, "What is expressly done causes the invalidiation of what is silent"?

(1) Expressum facit cessare tacitum

(2) Expressio unius est exclusio alterius

(3) Expressio unius est exclusio alterous

(4) Exceptio rei judicatoe

निम्न में से किस विधिक सूत्र का तात्पर्य है, "जो स्पष्ट रूप से किया जाता है, वह मौन को अमान्य कर देता है"?

(1) Expressum facit cessare tacitum

(2) Expressio unius est exclusio alterius

(3) Expressio unius est exclusio alterous

(4) Exceptio rei judicatoe

125. Which of the following legal maxim means, "No one ought to be twice punished for one offence"?

(1) Nemo debet bis vexari pro una et eadem causa

(2) Nemo debet bis vexari si constet curiae quod sit pro una et eadem causa

(3) Nemo debet esse judex in propria causa

(4) Nemo debet bis punire pro uno delicto

निम्न में से किस विधिक सूत्र का तात्पर्य है, "किसी एक अपराध के लिए किसी को दो बार सजा नहीं दी जा सकती"?

(1) Nemo debet bis vexari pro una et eadem causa

(2) Nemo debet bis vexari si constet curiae quod sit pro una et eadem causa

(3) Nemo debet esse judex in propria causa

(4) Nemo debet bis punire pro uno delicto

126. The inner part of human ear is called -

(1) Labyrinth

(2) Inner ear

(3) Tympanum

(4) None of the above

मनुष्य के कान का आन्तरिक भाग कहलाता है–

(1) Labyrinth

(2) Inner ear

(3) Tympanum

(4) उपरोक्त में से कोई नहीं

127. Those poisons which affect the central nervous system are called -

(1) Somniferous poisons

(2) Omniferous poisons

(3) Amniferous poisons

(4) None of the above

केन्द्रीय तंत्रिका तंत्र को प्रभावित करने वाले विष को कहते हैं –

(1) सोमनीफेरस विष

(2) ओमनीफेरस विष

(3) ऐमनीफेरस विष

(4) उपरोक्त में से कोई नहीं

128. If the lice were seen on the dead body, it would indicate that death has occurred within …….. days

(1) one to two

(2) two to three

(3) two to four

(4) three to six

यदि मृत शरीर में जूं दिखाई दे, तो यह संकेत होगा कि मृत्यु ..... दिनों के भीतर हुई है।

(1) एक से दो

(2) दो से तीन

(3) दो से चार

(4) तीन से छः

129. The excessive stimulation of the vagus nerve resulting in stoppage of heart is called ……..

(1) Vaso shock

(2) Vasovagal shock

(3) Asthenia

(4) All of the above

वेगस तंत्रिका की अत्यधिक उत्तेजना के परिणामस्वरूप हृदय की गति रुक जाना कहलाता है –

(1) वेसो शॉक

(2) वेसोवेगल शॉक

(3) एस्थेनिया

(4) उपरोक्त सभी

130. Excessive loss of blood as a result of injury to a large blood vessel or blood vessel of internal organ resulting in severe anaemia, is called ……..

(1) Haemorrhage

(2) Asphyxia

(3) Both (1) and (2)

(4) None of the above

किसी बड़ी रक्तवाहिका या आंतरिक अंग की रक्तवाहिका में चोट लगने के परिणामस्वरूप अत्यधिक रक्त की हानि जिसके परिणामस्वरूप गंभीर एनिमिया हो जाता है, ... कहलाता है।

(1) हैमरेज

(2) ऐसफिक्सिआ

(3) (1) व (2) दोनों

(4) उपरोक्त में से कोई नहीं

131. In which of the following landmark Judgment, Hon'ble Supreme Court held that the Electoral Bond Scheme, 2018 and the amendments made by the Finance Act to Section 29C of the RP Act, Section 182(3) of the Companies Act and Section 13A(b) of IT Act are unconstitutional?

(1) Dr. Jaya Thakur & ors. Vs. Union of India & Anr., 2024 INSC 246

(2) Sukanya Shantha Vs. Union of India & Ors., 2024 INSC 753

(3) Association for Democratics Reforms & Anr. Vs. Union of India & Ors., 2024 INSC 113

(4) Society for Enlightenment and Voluntary Action & Anr. Vs. Union of India & Ors., 2024 INSC 790

निम्नलिखित में से किस ऐतिहासिक निर्णय में, माननीय उच्चतम न्यायालय ने इलेक्टोरल बॉण्ड स्कीम, 2018 एवं वित्त अधिनियम के द्वारा आर.पी. अधिनियम की धारा 29 (सी), कम्पनी अधिनियम की धारा 182 (3) और आई.टी. अधिनियम की धारा 13ए (बी) में किए गये संशोधनों को असंवैधानिक घोषित किया?

(1) डॉ. जया ठाकुर एवं अन्य बनाम भारत संघ व एक अन्य, 2024 आईएनएससी 246

(2) सुकन्या शान्था बनाम भारत संघ एवं अन्य, 2024 आईएनएससी 753

(3) एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक्स रिफॉर्म्स एवं एक अन्य बनाम भारत संघ व अन्य, 2024 आईएनएससी 113

(4) सोसाइटी फॉर एन्लाइटेनमेंट एवं वॉलेन्टरी एक्शन एवं एक अन्य बनाम भारत संघ व अन्य, 2024 आईएनएससी 790

132. In which of the following landmark judgements, while dealing with the issue of "States' power to sub-classify Scheduled Castes for providing reservation", The Seven-Judge Bench of Hon'ble Supreme Court, by a 6:1 majority, held that "it is permissible for states to sub-classify Scheduled Castes when providing reservations"?

(1) Dinesh Gupta Vs. The State of Uttar Pradesh & Anr., 2024 INSC 32

(2) Ramnaresh @ Rinku Kushwah and Others Vs. State of Madhya Pradesh and Others, 2024 INSC 611

(3) The State of Punjab & Ors. Vs. Davinder Singh & Ors, 2024 INSC 562

(4) Sita Soren Vs. Union of India, 2024 INSC 161

"आरक्षण प्रदान करने के लिए अनुसूचित जातियों में उप–वर्गीकरण करने के राज्य की शाक्ति" के विवाद का विचारण करते हुए, निम्नलिखित में से किस ऐतिहासिक निर्णय में माननीय उच्चतम न्यायालय की सात न्यायामूर्तियों की पीठ ने 6:1 के बहुमत से अभिनिर्धारित किया कि "आरक्षण प्रदान करते समय राज्यों द्वारा अनुसूचित जातियों में उप–वर्गीकरण अनुज्ञेय है"?

(1) दिनेश गुप्ता बनाम उत्तर प्रदेश राज्य एवं एक अन्य, 2024 आईएनएससी 32

(2) रामनरेश उर्फ रिंकू कुशवाह एवं अन्य बनाम मध्य प्रदेश राज्य एवं अन्य, 2024 आईएनएससी 611

(3) पंजाब राज्य व अन्य बनाम दविन्दर सिंह व अन्य, 2024 आईएनएससी 562

(4) सीता सोरेन बनाम भारत संघ, 2024 आईएनएससी 161

133. In which of the following landmark Judgment, Hon'ble Supreme Court has emphasized that directions leading to the automatic expiration of stay orders and the day-to-day hearing of cases amounted to judicial legislation, which is impermissible. Only the legislature can provide that cases of a particular category should be decided within a specific time?

(1) Madras Bar Association Vs. Union of India & Anr, AIR 2015 SC 1571

(2) Gaurav Kumar Vs. Union of India & Ors., 2024 INSC 558

(3) High Court Bar Association Allahabad Vs. The State of Uttar Pradesh & Ors., 2024 INSC 150

(4) Amit Sachan & Anr Vs. Bar Council of Uttar Pradesh, Lucknow & Ors., 2021 INSC 547

निम्नलिखित में से किस ऐतिहासिक निर्णय में, माननीय उच्चतम न्यायालय ने जोर दिया है कि निर्देश जिनसे कि स्थगन आदेशों का स्वतः अवसान होता है तथा मुकदमों की दिन प्रतिदिन सुनवाई के निर्देश न्यायिक विधायन के समान हैं, जो अनुज्ञेय हैं। केवल विधायिका ही ऐसे प्रावधान कर सकती है कि विशेष श्रेणियों के मुकदमे विर्निदिष्ट समय में निर्णित किए जाने चाहिए?

(1) मद्रास बार एसोसिएशन बनाम भारत संघ एवं एक अन्य, एआईआर 2015 एससी 1571

(2) गौरव कुमार बनाम भारत संघ एवं अन्य, 2024 आईएनएससी 558

(3) इलाहाबाद उच्च न्यायालय बार एसोसिएशन बनाम उत्तर प्रदेश राज्य व अन्य, 2024 आईएनएससी 150

(4) अमित साचान एवं एक अन्य बनाम बार काउंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश, लखनऊ एवं अन्य, 2021 आईएनएससी 547

134. In which of the following judgements, Hon'ble Supreme Court has held that Article 21-A and the RTE Act have to be read consistently with the right of religious and linguistic minorities to establish and administer educational institutions of their choice. The Board with the approval of the State Government can enact regulations to ensure that religious minority institutions impart secular education of a requisite standard without destroying their minority character?

(1) Md. Rahim Ali @ Abdur Rahim Vs. The State of Assam, 2024 INSC 511

(2) Anjum Kadari & Anr. Vs. Union of India & Ors., 2024 INSC 831

(3) Sharif Ahmad Vs. The State of Uttar Pradesh etc., 2024 INSC 363

(4) Mohd. Abdul Samad Vs. The State of Telangana, 2024 INSC 506

निम्न में से किस निर्णय में, माननीय उच्चतम न्यायालय ने यह मंतव्य दिया कि अनुच्छेद 21–क और शिक्षा का अधिकार अधिनियम को धार्मिक व भाषायी अल्पसंख्यकों को अपनी इच्छा के शैक्षणिक संस्थानों को स्थापित व प्रशासित करने के अधिकार के साथ पढ़ा जाना चाहिए। राज्य सरकार की सहमति से बोर्ड यह सुनिश्चित करने के लिए विनियम बना सकता है कि धार्मिक अल्पसंख्यक संस्थान अपने अल्पसंख्यक चरित्र को नष्ट किए बिना अपेक्षित मानक अनुरूप धर्मनिरपेक्ष शिक्षा प्रदान करें?

(1) मो. रहीम अली उर्फ अब्दुर रहीम बनाम असम राज्य, 2024 आईएनएससी 511

(2) अन्जुम कादरी एवं एक अन्य बनाम भारत संघ व अन्य, 2024 आईएनएससी 831

(3) शरीफ अहमद बनाम उत्तर प्रदेश राज्य आदि, 2024 आईएनएससी 363

(4) मो. अब्दुल समद बनाम तेलंगाना राज्य, 2024 आईएनएससी 506

135. In which of the following landmark Judgment, Hon'ble Supreme Court of India held that the Appellant's arrest and remand into police custody were invalid because the grounds for arrest were not communicated in writing before the remand. As charges had now been framed against the Appellant, the Appellant was ordered to be released from custody after furnishing bail as required by the trial court?

(1) Prabir Purkayastha Vs. State (NCT of Delhi), 2024 INSC 414

(2) Dablu Kujur Vs. The State of Jharkhand, 2024 INSC 197

(3) State Through Central Bureau of Investigation Vs. Hemendhra Reddy & Another, (2023) 7 S.C.R. 134

(4) Ramachandran Vs. R. Udhayakumar & Ors., (2008) 8 S.C.R. 439

निम्नलिखित में से किस ऐतिहासिक निर्णय में, माननीय उच्चतम न्यायालय ने अभिनिर्धारित किया है कि अपीलार्थी की गिरफ्तारी एवं पुलिस अभिरक्षा का रिमांड अवैध था चूंकि रिमांड के पूर्व गिरफ्तारी के आधारों को लिखित में संसूचित नहीं किया गया था। चूंकि अब अपीलार्थी के विरुद्ध आरोप विरचित किए जा चुके हैं, अपीलार्थी को विचारण न्यायालय द्वारा आदेशित जमानत प्रस्तुत करने पर अभिरक्षा से छोड़ा जावे?

(1) प्रबीर पुरकायस्थ बनाम राज्य (रा.रा.क्षे. दिल्ली), 2024 आईएनएससी 414

(2) डबलू कुजूर बनाम झारखण्ड राज्य, 2024 आईएनएससी 197

(3) राज्य जरिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो बनाम हेमेन्द्र रेड्डी व एक अन्य, (2023) 7 एससीआर 134

(4) रामचन्द्रन बनाम आर. उधयकुमार एवं अन्य, (2008) 8 एससीआर 439

136. In which of the following landmark judgements, Hon'ble Supreme Court held that the Constitutional Courts have to bear in mind while dealing with the cases under the PMLA that, except in a few exceptional cases, the maximum sentence can be of seven years. The Constitutional Courts cannot allow provisions like Section 45(1)(ii) to become instruments in the hands of the ED to continue incarceration for a long time when there is no possibility of a trial of the scheduled offence and the PMLA offence concluding within a reasonable time. If the Constitutional Courts do not exercise their jurisdiction in such cases, the rights of the undertrials under Article 21 of the Constitution of India will be defeated?

(1) Arvind Kejriwal Vs. Central Bureau of Investigation, 2024 INSC 687

(2) V. Senthil Balaji Vs. The Deputy Director, 2024 INSC 739

(3) Arvind Kejriwal Vs. Directorate of Enforcement, 2024 INSC 512

(4) Directorate of Enforcement Vs. Niraj Tyagi & Ors., 2024 INSC 106

निम्नलिखित में से किस ऐतिहासिक निर्णय में, माननीय उच्चतम न्यायालय ने अभिनिर्धारित किया है कि "संवैधानिक न्यायालयों को पीएमएलए के तहत मामलों से निपटते समय यह ध्यान रखना होगा कि कुछ अपवादिक मामलों को छोड़कर अधिकतम सजा सात साल की हो सकती है। संवैधानिक न्यायालय प्रावधान जैसे धारा 45(1)(ii) को ईडी के हाथों में लम्बे समय तक कैद में रखने का साधन बनने की अनुमति नहीं दे सकते हैं, जब उचित समय के भीतर अनुसूचित अपराध और पीएमएलए अपराध के मुकदमे का विचारण समाप्त होने की संभावना नहीं है। यदि संवैधानिक न्यायालय ऐसे मामलों में अपने क्षेत्राधिकार का प्रयोग नहीं करता, तो भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 के अंतर्गत विचाराधीन कैदियों के अधिकारों का हनन होगा"?

(1) अरविन्द केजरीवाल बनाम केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, 2024 आईएनएससी 687

(2) वी. सैंथिल बालाजी बनाम उप–निदेशक, 2024 आईएनएससी 739

(3) अरविन्द केजरीवाल बनाम प्रवर्तन निदेशालय, 2024 आईएनएससी 512

(4) प्रवर्तन निदेशालय बनाम नीरज त्यागी एवं अन्य, 2024 आईएनएससी 106

137. Whether an accused can be required to share their location on Google Maps as a bail condition?

In which of the following landmark Judgment, Hon'ble Supreme Court of India has discussed the above said question?

(1) Sharif Ahmed & Anr. Vs. State of Uttar Pradesh & Anr., 2024 INSC 363

(2) Frank Vitus Vs. Narcotics Control Bureau & Ors., 2024 INSC 479

(3) The State of West Bengal Vs. Ersus Jayeeta Das, 2024 INSC 313

(4) High Court Bar Association, Allahabad Vs. State of U.P. & Ors., 2024 INSC 150

क्या एक अभियुक्त से जमानत की शर्त के रूप में अपनी लोकेशन गूगल मैप्स पर साझा करने हेतु अपेक्षित किया जा सकता है?

निम्नलिखित में से किस ऐतिहासिक निर्णय में, माननीय उच्चतम न्यायालय ने उपरोक्त प्रश्न को विचारित किया है?

(1) शरीफ अहमद एवं एक अन्य बनाम उत्तर प्रदेश राज्य एवं एक अन्य, 2024 आईएनएससी 363

(2) फ्रैंक वीटस बनाम नारकोटिक नियंत्रण ब्यूरो व अन्य, 2024 आईएनएससी 479

(3) पश्चिम बंगाल राज्य बनाम एरसस जयीता दास, 2024 आईएनएससी 313

(4) इलाहाबाद उच्च न्यायालय बार एसोसिएशन बनाम उत्तर प्रदेश राज्य व अन्य, 2024 आईएनएससी 150

138. In which of the following judgements, Hon'ble Supreme Court observed that the amendments in Specific Relief Act, 1963 made in 2018 are prospective and does not apply to such transactions made before it came into effect?

(1) Smt. Katta Sujatha Reddy & Anr. Vs. Siddamsetty Infra Projects Pvt. Ltd. & Ors., (2023) 1 SCC 355

(2) Gaddipati Divija & Anr. Vs. Pathuri Samrajyam & Ors., (2023) SCC Online SC 442

(3) Baba Saheb Dhondival Kute Vs. Radhu Vithoba Barde, 2024 INSC 122

(4) A. Valliammai Vs. K. P. Murali & Ors., 2023 INSC 823

निम्न में से किस निर्णय में, माननीय उच्चतम न्यायालय ने यह मंतव्य दिया कि विनिर्दिष्ट अनुतोष अधिनियम, 1963 में सन् 2018 में किए गये संशोधन भावी है और ऐसे संव्यवहार पर लागू नहीं हैं जो इसके प्रभाव में आने से पहले किए गए?

(1) श्रीमति कत्ता सुजाथा रेड्डी व एक अन्य बनाम सिद्दमसेट्टी इन्फ्रा प्रोजेक्ट्स प्रा. लि. व अन्य, (2023) 1 एससीसी 355

(2) गद्दीपति दीविजा एवं एक अन्य बनाम पथुरी सामराज्यम एवं अन्य, (2023) एससीसी ऑनलाईन एससी 442

(3) बाबा साहेब ढोन्डीवाल कुटे बनाम राधु विठोबा बार्डे, 2024 आईएनएससी 122

(4) ए. वल्लीअम्मई बनाम के. पी. मुरली एवं अन्य, 2023 आईएनएससी 823

139. In which of the following landmark judgements, Hon'ble Supreme Court held that the "caste" column and any references to caste in undertrial and/or convicts' prisoners' registers inside the prisons shall be deleted and directed all the States and Union Territories to revise their Prison Manuals/Rules, within three months?

(1) Ashok Kumar Sharma & Ors Vs. Union of India, 2024 INSC 674

(2) M K Ranjitsinh & Ors. Vs. Union of India & Ors., 2024 INSC 280

(3) Sukanya Shantha Vs. Union Of India, 2024 INSC 753

(4) Rajkaran Singh & Ors. Vs. Union of India & Ors., 2024 INSC 621

निम्नलिखित में से किस ऐतिहासिक निर्णय में, माननीय उच्चतम न्यायालय ने अभिनिर्धारित किया है कि "जेलों के अन्दर विचाराधीन और/या कैदियों के रजिस्टर में "जाति" का कॉलम और जाति के किसी भी संदर्भ को हटा दिया जाए तथा सभी राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों को अपने जेल मैन्यूअल/नियमों को तीन माह के अन्दर संशोधित करने का निर्देश दिया"?

(1) अशोक कुमार शर्मा एवं अन्य बनाम भारत संघ, 2024 आईएनएससी 674

(2) एम के रंजीतसिन्ह एवं अन्य बनाम भारत संघ एवं अन्य, 2024, आईएनएससी 280

(3) सुकन्या सान्था बनाम भारत संघ, 2024 आईएनएससी 753

(4) राजकरण सिंह एवं अन्य बनाम भारत संघ एवं अन्य, 2024 आईएनएससी 621

140. In which of the following landmark judgements, Hon'ble Supreme Court has held that State Bar Councils cannot charge enrolment fees beyond the fees set out in Section 24(1)(f) of the Advocates Act and charging of such exorbitant fees is violative of right to equality under Article 14 and right to practise any profession under Article 19(1)(g) of the Constitution?

(1) Harish Uppal Vs. Union of India & Anr, (2017) 5 SCC 702

(2) Gaurav Kumar Vs. Union of India & Ors., 2024 INSC 558

(3) Satish Kumar Sharma Vs. Bar Council of Himachal Pradesh, AIR 2001 SC 509

(4) Bar Council of India Vs. Rabi Sahu & Anr., 2023 Live-Law (SC) 481

निम्नलिखित में से किस ऐतिहासिक निर्णय में, माननीय उच्चतम न्यायालय ने अभिनिर्धारित किया है कि राज्य बार काउन्सिल, एडवोकेट अधिनियम की धारा 24 (1)(एफ) में विहित नामांकन फीस से अधिक फीस अधिरोपित नहीं कर सकते हैं। इस प्रकार की अत्यधिक फीस अधिरोपित करना संविधान के अनुच्छेद 14 के तहत प्रदत्त समता के अधिकार एवं अनुच्छेद 19 (1)(जी) के तहत प्रदत्त वृत्ति करने के अधिकार का उल्लंघन है?

(1) हरीश उप्पल बनाम भारत संघ व एक अन्य, (2017) 5 एससीसी 702

(2) गौरव कुमार बनाम भारत संघ व अन्य, 2024 आईएनएससी 558

(3) सतीश कुमार शर्मा बनाम हिमाचल प्रदेश बार काउन्सिल, एआईआर 2001 एससी 509

(4) बार काउन्सिल ऑफ इंडिया बनाम रबि साहू एवं एक अन्य, 2023 लाईव–लॉ (एससी) 481

141. 'पवित्र' के साथ प्रयुक्ति हेतु उपयुक्त शब्द नहीं है–

(1) ग्रंथ

(2) जल

(3) गाड़ी

(4) वेदी

142. Choose the correct Passive Transformation of the given sentence.
Shut the door.

(1) Let the door be shut.

(2) Let the door is shut.

(3) Let the door will shut.

(4) The door will be shut.

143. "जब–जब वह मुझे मिला है तब–तब उसने धोखा दिया है।"

इस वाक्य में काल है–

(1) आसन्न भूतकाल

(2) संभाव्य भूतकाल

(3) संदिग्ध भूतकाल

(4) वर्तमान काल

144. 'लड्डू बँटना' मुहावरे का निकटतम अर्थ है–

(1) मोहित होना

(2) दावत करना

(3) लाभ होना

(4) सहज बात होना

145. Choose the correct option to fill in the blank with the modal auxiliaries suitable to the meaning indicated in the bracket.
She ..... be at office now, she is at home right now. (Impossibility)

(1) might not

(2) should not

(3) can not

(4) need not

146. 'प्रतिष्ठा' का सही संधि–विच्छेद है–

(1) प्रति + ष्ठा

(2) प्र + तिष्ठा

(3) प्रति + स्था

(4) प्रति + स्ठा

147. Choose the correct option to fill in the blank.

Let us discuss ..... matter seriously.

(1) a
(2) the
(3) these
(4) much

148. Choose the correct option.

Antonym of 'Perennial' is:

(1) Ordinary
(2) Contemporary
(3) Temporary
(4) Solitary

149. शुद्ध वाक्य है–

(1) यह मगध प्रदेश की भाषा होने के कारण इसका नाम मागधी पड़ गया।
(2) उनकी अपनी प्रखर बुद्धि हर काम में प्रकट होती है।
(3) वह आदमी जिसे तुमने कल देखा था, आज मर गया।
(4) डाकुओं का सरदार वह अलीबाबा था।

150. By the next month my brother ..... to play guitar for six months.

(1) will have been learning
(2) will learn
(3) learn
(4) has been learning

****

रफ कार्य के लिए जगह / Space for Rough Work